● वर्ष : 17 ● अंक : 223 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

WWW.LKSTV.IN

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

बुधवार 03 जून 2026

प्रतिभा को केवल अवसर और मार्गदर्शन की जरूरत: राष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

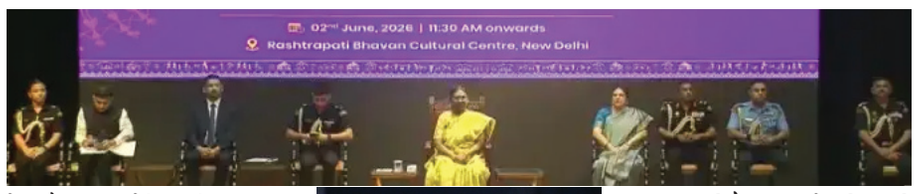

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 'जनजातीय गरिमा उत्सव' के अंतर्गत आयोजित 'नव भारत में बिरसा की जीवंत विरासत सप्ताह' के दौरान छात्रवृत्ति योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उसे खोजने, तराशने तथा उचित मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराने की है। यदि सही अवसर मिलें तो गांवों, दूरदराज के क्षेत्रों और जनजातीय अंचलों के युवा भी देश का नाम रोशन कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने जनजातीय युवाओं का आह्वान किया कि वे भगवान बिरसा मुंडा की विरासत से प्रेरणा लेकर विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। राष्ट्रपति ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम में मंत्रालय की प्रमुख छात्रवृत्ति योजनाओं के जनजातीय लाभार्थियों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम 10 मई से 9 जून तक मनाए जा रहे 'जनजातीय गरिमा उत्सव' के तहत 'नए भारत में बिरसा की जीवंत विरासत सप्ताह' के दौरान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम, जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, राष्ट्रपति की सचिव दीप्ति उमाशंकर, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा मंत्रालय की तीन प्रमुख छात्रवृत्ति योजनाएं अनुसूचित जनजातियों के लिए राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति, जनजातीय विद्यार्थियों के लिए उच्चस्तरीय शिक्षा राष्ट्रीय छात्रवृत्ति और राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति योजना के 200 चयनित लाभार्थी शामिल हुए। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने यह बताया कि भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं ने किस प्रकार उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है और उन्हें अपने सपनों को साकार करने का अवसर प्रदान किया है। ऐसी सफलता की कहानियां देशभर के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। देश के दूरस्थ गांवों और जनजातीय अंचलों में प्रतिभाशाली युवाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल यह सुनिश्चित करने की है कि उन्हें उचित मार्गदर्शन, सहयोग और मंच मिले। आज यहां उपस्थित विद्यार्थियों की उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि अवसर मिलने पर जनजातीय समुदाय के युवा भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा सशक्तीकरण का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षा व्यक्ति को आत्मनिर्भर, जागरूक और सक्षम बनाती है तथा उसके जीवन की दिशा बदल सकती है। उनकी अपनी जीवन यात्रा में भी शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और इसी कारण वे जनजातीय समाज के लोगों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करने का लगातार प्रयास करती हैं। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की वास्तविक पहचान उसके समाज, संस्कृति और परंपराओं से होती है। यदि कोई व्यक्ति अपनी पहचान को भूल जाता है तो वह अपने दायित्वों से भी दूर हो जाता है। इसलिए जनजातीय युवाओं को आधुनिक शिक्षा और तकनीक को अपनाने के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को भी सहेजकर रखना चाहिए। आज भी अनेक प्रतिभाशाली छात्र केवल इसलिए अवसरों से वंचित रह जाते हैं क्योंकि उन्हें विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं और सरकारी सुविधाओं की जानकारी नहीं मिल पाती।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन से दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति ने की मुलाकात

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति शिपोकोसा पॉलस माशातिले से मंगलवार को यहां उपराष्ट्रपति भवन में द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, कौशल विकास और लोगों के बीच संपर्क को और मजबूत बनाने पर जोर देते हुए भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों को नई गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आर्थिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने ब्रिक्स, जी-20, इब्सा और हिंद महासागर रिम संघ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को और मजबूत करने तथा वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

पेपर लीक के जिम्मेदार, कैसे करेंगे समस्या का समाधान?

इन दिनों देश में पेपर लीक का मामला बड़ा चर्चित है। युवा वर्ग पेपर लीक होने से सबसे ज्यादा प्रभावित है। इनकी संख्या करोड़ों में है। इसका एहसास ना तो सत्ता पक्ष को हो रहा है, ना ही विपक्ष को हो रहा है, सत्ता पक्ष सत्ता में बने रहने के लिए चहेतो को उपकृत करने, सत्ता के जरिए कमाई और अपनी ही विचारधारा के लोगों को चयनित करने के लिए इस तरह की परीक्षाओं का आयोजन करता है। परीक्षाओं के नाम पर गड़बड़ी कराके सत्ता पक्ष अपना लक्ष्य पूर्ण करता है। जिस तरह से अब परीक्षा पेपर लीक होने और परीक्षाओं में गड़बड़ी होने के मामले एक-एक करके खुलकर सामने आ रहे हैं।

उसके बाद से सत्ता पक्ष की मुसीबत बढ़ाना शुरू हो गई है। सत्ता पक्ष हमेशा दूसरों के ऊपर आरोप डालकर मामले को ठंडा करने में लगा रहता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण मध्य प्रदेश का व्यापम घोटाला है। जो कई दशकों के बाद भी जिन लोगों ने गड़बड़ी की थी। जिनकी लापरवाही और मार्गदर्शन में व्यापम फर्जी वाड़ा हुआ था। उनके ऊपर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। हां जिन छात्रों ने पैसे देकर पीछे के रास्ते से परीक्षा पास करके अपना कैरियर बनाना चाहा था। वह दोनों दीन से चले गए, पैसा भी गया और जेल अलग से जाना पड़ा। 10 साल से ज्यादा समय हो गया है व्यापम घोटाले के आरोपी छात्र-छात्रा आज भी कोर्ट कचहरी की लड़ाई लड़ रहे हैं। मां-बाप का घर मकान बिक गया है। जो जिम्मेदार थे, वह आज भी खुलेआम घूम रहे हैं। व्यापम घोटाले के आरोपी और उनके चेला-चपाटी नेशनल टेस्ट एजेंसी में मौज कर रहे हैं। जिन लोगों के पास व्यवस्था है, वही गड़बड़ी करा रहे हैं? उन्हीं के निर्देशन में जांच एजेंसियां काम करती हैं। ऐसी स्थिति में समस्या का समाधान कैसे होगा।

यह आसानी से समझा जा सकता है। वर्तमान परीक्षा व्यवस्था में लगभग 30 करोड़ युवाओं का भविष्य जुड़ा हुआ है। अब तो सीबीएसई की परीक्षा परिणाम भी भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के भेंट चढ़ गया है। पहले परीक्षा फीस के नाम पर वसूली करो, फिर रिवैल्युएशन के नाम पर कमाई करो। यह कमाई उन्हीं लोगों को होती है, जिन्हें सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। ऐसी स्थिति में अब युवा वर्ग नाराजी के साथ सड़कों पर आने के लिए विवश है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल के परिणाम में जो गड़बड़ी हुई है। जांच एजेंसी उसमें कुछ नहीं कर पाई। मंत्री जी कुछ नहीं कर पाए, बड़े-बड़े अधिकारी हाथ-पै-हाथ धर के बैठे हुए हैं। यह लड़ाई खुद 12वीं के वह बच्चे जिसने परीक्षा दी थी। उसके परिणाम में गड़बड़ी हुई, वह खुद जांच कर रहा है। खुद लड़ाई के मैदान में अभिमन्यु की तरह खड़ा हो गया है। सरकार घबरा रही है, विपक्ष छात्रों के पीछे खड़ा है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में एक ही परिवार के 6 सदस्यों समेत 7 को गोलियों से भूना, मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका का आयोवा राज्य सोमवार को गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। यहाँ के मुस्काटीन शहर में कई स्थानों पर हुई भीषण गोलीबारी में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक संदिग्ध हमलावर ने अलग-अलग जगहों पर अंधाधुंध फायरिंग करके 6 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी और बाद में पुलिस घेराबंदी के दौरान खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। स्थानीय पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि यह पूरी घटना एक गंभीर पारिवारिक विवाद का नतीजा हो सकती है और सभी मृतक आरोपी के ही परिवार के सदस्य थे। यह दिल दहला देने वाली वारदात दोपहर के वक्त घटित हुई, जब हमलावर ने शहर के दो अलग-अलग घरों और एक दुकान में जबरन घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। स्थानीय पुलिस प्रमुख के मुताबिक, दोपहर करीब 12 बजे विभाग को गोलीबारी की सूचना मिली थी। जब तक पुलिस बल मौके पर पहुँचा, तब तक काफी देर हो चुकी थी और प्राथमिक घटनास्थल से चार लोगों के शव बरामद किए गए। वारदात को अंजाम देने के बाद 52 वर्षीय संदिग्ध आरोपी ryan विलिस मैकफारलैंड मौके से फरार हो गया था।

लामिछाने ने नितिन नवीन से की मुलाकात, भारत-नेपाल के बीच संबंधों पर विस्तृत चर्चा

नई दिल्ली। नेपाल के सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से यहां पार्टी मुख्यालय में मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच नेपाल-भारत के संबंधों, लोकतांत्रिक मूल्यों और आपसी सहयोग को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। भाजपा अध्यक्ष नवीन के निमंत्रण पर सोमवार को पांच दिवसीय दौरे पर भारत आए लामिछाने का मंगलवार सुबह भाजपा मुख्यालय में भव्य स्वागत किया गया। भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक झांकी, फूल-मालाओं और ढोल-नगाड़े के साथ उनका स्वागत किया। मुख्यालय पहुचने पर उनका स्वागत करने वालों में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह, भाजपा के विदेश मामलों के प्रमुख विजय चौथाईवाले सहित कई नेता शामिल रहे। भाजपा अध्यक्ष नवीन ने आरएसपी अध्यक्ष लामिछाने का पुष्पगुच्छ के साथ स्वागत किया और उन्हें समृति चिह्न भेंट किया। वहीं लामिछाने ने नेपाल की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक माने जाने वाले पशुपतिनाथ मंदिर से लाया गया विशेष टीका और रुद्राक्ष एवं तुलसी की माला भेंट कर भाजपा अध्यक्ष का सम्मान किया। इसके अलावा लामिछाने ने चांदी से निर्मित पशुपतिनाथ मंदिर की आकर्षक प्रतिकृति भी नितिन नवीन को भेंट की। इस उपहार को नेपाल की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक पहचान और भारत-नेपाल के सदियों पुराने सभ्यतागत संबंधों का प्रतीक माना जाता है।

जर्मन राजनेता मारियो ने जयशंकर से की मुलाकात, व्यापार-तकनीकी पर की चर्चा

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत-जर्मनी के संबंध लगातार मजबूत हो रहेः सीएम रेखा

नई दिल्ली। जर्मनी के थ्यूरिंगिया राज्य के मिनिस्टर-प्रेसिडेंट मारियो वोगट ने मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। दोनों के बीच व्यापार और तकनीकी साझेदारी को लेकर चर्चा हुई। विदेश मंत्री ने इसकी जानकारी एक्स पर दी। उन्होंने इस मुलाकात को हर्ष का विषय बताया और पोस्ट में लिखा- थ्यूरिंगिया के मिनिस्टर-प्रेसिडेंट मारियो वोगट और उनके प्रतिनिधिमंडल से मिलकर खुशी हुई। भारत-जर्मनी और भारत-यूरोपीय संघ संबंधों के विस्तार के प्रति उनका मजबूत सहयोग स्वागतयोग्य है। दोनों की व्यापार और प्रौद्योगिकी साझेदारियों पर सार्थक चर्चा हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को ही मारियो वोगट और उनके प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के साथ बैठक की। इस दौरान स्मार्ट शहरी विकास, टिकाऊ बुनियादी ढांचा, डिजिटल प्रशासन, नवाचार, कौशल विकास और प्रतिभा आदान-प्रदान जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में परिवहन, जल प्रबंधन, पर्यावरणीय तकनीकों, शिक्षा और कार्यबल विकास के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श हुआ। सीएम रेखा ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत और जर्मनी के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं, और दिल्ली इस साझेदारी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

वेदांता ग्रुप के कई ठिकानों पर ईडी ने की ताबड़तोड़ छापेमारी

एजेंसी। नई दिल्ली

फेमा नियमों के उल्लंघन का आरोप

दिग्गज कारोबारी अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाले वेदांता ग्रुप के कई ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ताबड़तोड़ छापेमारी की है। सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के नियमों के उल्लंघन से जुड़े मामलों को लेकर की जा रही है। इस बड़ी कार्रवाई के बाद से कॉर्पोरेट जगत में हड़कंप मच गया है, हालांकि अभी तक कंपनी की तरफ से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान या जवाब सामने नहीं आया है। दरअसल, ईडी फेमा के तहत एक्शन तब लेता है जब किसी कंपनी या व्यक्ति द्वारा विदेशी मुद्रा के लेन-देन में नियमों के उल्लंघन का संदेह होता है। इसमें मुख्य रूप से अवैध रूप से विदेशों में धन हस्तांतरण (हवाला), विदेश में अवैध संपत्ति अर्जित करना या विदेशी निवेश से जुड़े सरकारी नियमों का पालन न करना शामिल होता है। फेमा अधिनियम का मुख्य उद्देश्य ही भारत में विदेशी मुद्रा के लेन-देन को विनियमित और व्यवस्थित करना है। चूंकि वेदांता ग्रुप का बिजनेस दुनिया के कई अन्य देशों में भी फैला है, इसलिए विदेशी लेन-देन से जुड़े नियमों को लेकर यह कार्रवाई की जा रही है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब वेदांता ग्रुप केंद्रीय जांच एजेंसियों के रडार पर आया है। इससे पहले साल 2004 में भी यह समूह विदेशी मुद्रा मामलों में नियामक जांच के दायरे में आ चुका है। उस समय जांच एजेंसी ने स्टरलाइट इंडस्ट्रीज और उसके तीन प्रमोटर निदेशकों को फेरा और फेमा के नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया था, जिसके बाद कंपनी और निदेशकों पर भारी जुर्माना लगाया गया था। वेदांता भारत की एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी है, जो मुख्य रूप से एल्युमिनियम उत्पादन के लिए जानी जाती है। इसके अलावा, भारत की कुल जिंक जरूरत का लगभग 81 फीसदी उत्पादन अकेले इसी ग्रुप द्वारा किया जाता है। कंपनी केयर्न इंडिया की मदद से कच्चे तेल के उत्पादन में भी सक्रिय है। समूह ने भारत में अगले कुछ सालों में करीब 2 लाख करोड़ का भारी-भरकम निवेश करने की योजना बनाई है, ऐसे में ईडी की यह कार्रवाई कंपनी के भविष्य के प्रोजेक्ट्स के लिहाज से बेहद संवेदनशील मानी जा रही है।

काठमांडू के होटल से 15 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, ऑनलाइन ठगी में थे सक्रिय

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू के अपराध अनुसंधान कार्यालय की एक टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर छापेमारी करके एक होटल से 15 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सभी बांग्लादेशी नागरिक नेपाल में पर्यटक (विजिट) वीजा पर आए थे, लेकिन उनकी गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह सभी महिलाओं के नाम और पहचान का उपयोग करते हुए फर्जी फेसबुक अकाउंट संचालित कर रहे थे। इन खातों के माध्यम से वे बांग्लादेश और भारत के नागरिकों से संपर्क स्थापित करते थे। पुलिस को आशंका है कि उनका संबंध ऑनलाइन ठगी तथा अन्य अवैध गतिविधियों से हो सकता है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से विभिन्न डिजिटल उपकरण और अन्य संबंधित सामग्री भी बरामद की है। गिरफ्तार सभी बांग्लादेशी नागरिकों को आगे की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए नेपाल अध्यागमन विभाग को सौंप दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और उनकी गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ मुंबई, सूरत समेत चार शहरों में ईडी का छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मंगलवार को मुंबई, सूरत, अंकलेश्वर और राजकोट में 20 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान एजेंसी कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, डिजिटल साक्ष्य और वित्तीय लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड खंगाल रही है। ईडी ने बताया कि यह छापेमारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत सलीम इस्माइल डोला और उसके सहयोगियों के खिलाफ चल रही जांच के तहत की जा रही है। सलीम डोला को भारत सरकार ने पिछले महीने तुर्किये से प्रत्यर्पित कराया था। जांच एजेंसियों के अनुसार डोला अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम का करीबी सहयोगी है और अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का संचालन करता रहा है। ईडी के अनुसार छापेमारी उन परिसरों पर की जा रही है जिनका संबंध मादक पदार्थों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले रसायनों के आपूर्तिकर्ताओं, रासायनिक व्यापार से जुड़े बिचौलियों, सिंथेटिक मादक पदार्थ मेफेड्रोन (एमडी) के निर्माण और वितरण में शामिल तस्करों, हवाला कारोबारियों तथा अपराध से अर्जित धन से खरीदी गई बेनामी संपत्तियों के धारकों से है।

सीजेआई ने 5 नए न्यायाधीशों को दिलाई शपथ

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के पांच नए न्यायाधीशों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में जस्टिस शील नागू, संजीव सचदेवा, श्री चंद्रशेखर, अरुण पल्ली, और साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता वी मोहना शामिल हैं। इन नियुक्तियों के साथ ही सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़कर 37 हो गई है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिशों पर केंद्र सरकार ने सोमवार को इन नियुक्तियों को मंजूरी दी थी। इसके बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने पर सभी पांचों ने मंगलवार को शपथ ग्रहण की। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रपति ने मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद इन नियुक्तियों को मंजूरी प्रदान की है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 22 और 27 मई को हुई बैठकों में इन नामों की सिफारिश की थी। नव नियुक्त न्यायाधीशों में जस्टिस शील नागू का लंबा न्यायिक अनुभव रहा है। उन्हें मई 2011 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था और जुलाई 2024 में वे पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने थे। इसी तरह जस्टिस श्री चंद्रशेखर जनवरी 2013 में झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त हुए थे और जनवरी 2025 में बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने। जस्टिस संजीव सचदेवा ने दिल्ली हाईकोर्ट में न्यायिक सेवा की शुरुआत की थी और जुलाई 2025 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए थे। जस्टिस अरुण पल्ली दिसंबर 2013 में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश बने थे। अप्रैल 2025 में उन्हें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता वी. मोहना लंबे समय से सुप्रीम कोर्ट में संवैधानिक, दीवानी और सेवा कानून से जुड़े मामलों की पैरवी कर रही थीं। वह बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त होने वाली चुनिंदा न्यायविदों में शामिल हैं।

टीएमसी के 50 विधायक बदल सकते हैं पाला

एजेंसी। कोलकाता

चुनाव चिन्ह भी पड़ सकता है खतरे में

पश्चिम बंगाल में सत्ता से बेदखल हुई टीएमसी अब अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। पार्टी के 50 विधायक पाला बदलने के लिए सौदेबाजी करते सुनाई दे रहे हैं। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा सोमवार को दो विधायकों को निष्कासित किए जाने के बाद से राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई हैं कि टीएमसी के करीब 50 विधायक पार्टी से अलग हो सकते हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब कई पार्षद लगातार अपने पदों से इस्तीफा दे रहे हैं और पार्टी के बड़े नेता आधिकारिक कार्यक्रमों से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। दो विधायकों के निष्कासन के बाद अब विधानसभा में टीएमसी के सदस्यों की संख्या घटकर 78 रह गई है। राजनीतिक हल्कों में इस बात की पुरजोर चर्चा है कि निष्कासित विधायक रीताब्रत बनर्जी और संदीपन साहा के नेतृत्व में एक नई तृणमूल का गठन किया जा सकता है, हालांकि अभी तक किसी भी नेता ने इस पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। दूसरी तरफ, राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी इन दोनों विधायकों का विशेष रूप से जिक्र किया है। मुख्यमंत्री के अनुसार, हावड़ा की उलुबेरिया पूर्व सीट से विधायक रीताब्रत बनर्जी और मध्य कोलकाता के एंटाली से विधायक संदीपन साहा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों के आधार पर ही विधानसभा सचिवालय ने विधायक दल के जाली हस्ताक्षर का मामला पुलिस में दर्ज कराया था। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि यह जांच किसी अन्य दल द्वारा शुरू नहीं की गई थी, बल्कि खुद टीएमसी के इन दो विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष के सामने शिकायत दर्ज कराई थी। विधायकों का आरोप था कि विपक्ष के नेता के चयन से संबंधित बैठक में ऐसा कोई प्रस्ताव पारित ही नहीं हुआ था और 70 विधायकों के हस्ताक्षर वाला समर्थन पत्र पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत है।

तो महाराष्ट्र जैसी बन जाएगी स्थिति : यदि टीएमसी के 50 विधायक अलग होकर एक नया गुट बनाते हैं, तो बंगाल में भी महाराष्ट्र जैसा राजनीतिक परिदृश्य देखने को मिल सकता है। जिस तरह महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में बड़ी बगावत के बाद मूल कप्तानों को अपनी ही पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न गंवाना पड़ा था, वैसी ही स्थिति यहाँ भी बन सकती है। टीएमसी नेतृत्व ने जिन दो विधायकों पर कार्रवाई की है, उन्हें भेजे गए पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतने के बावजूद वे आधिकारिक बैठकों से लगातार नदारद रहे और खुद को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल किया।

अन्नामलाई ने नितिन नवीन से की मुलाकात, अटकलों का दौर जारी

नई दिल्ली। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई के राजनीतिक भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच उनकी दिल्ली यात्रा ने नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। भाजपा छोड़कर नई पार्टी बनाने की अफवाहों के बीच अन्नामलाई ने पार्टी मुख्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और संगठन महामंत्री बीएल संन्तोष से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार बैठक में उनके संभावित नए दायित्वों और संगठन में भविष्य की भूमिका को लेकर चर्चा हुई। जानकारी के मुताबिक भाजपा नेतृत्व ने अन्नामलाई को भरोसा दिलाया कि पार्टी उनकी क्षमता और संगठनात्मक योगदान के अनुरूप उन्हें आगे भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देती रहेगी। बताया जा रहा है कि दिल्ली प्रवास के दौरान वह पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। अन्नामलाई की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब उनके भाजपा छोड़ने, नई राजनीतिक पार्टी बनाने अथवा राज्यसभा भेजे जाने जैसी संभावनाओं को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। हालांकि उन्होंने इन अटकलों पर खुलकर कुछ भी कहने से इनकार किया है। दिल्ली आने से पहले पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने केवल इतना कहा था।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और सांसद मनोज तिवारी ने देवी बस से किया रोहतास नगर विधानसभा का दौरा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी ने मंगलवार कोरोहतास नगर विधानसभा में दौरा किया। इस दौरान दोनों ने देवी बस पर सवार होकर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा और परियोजनाओं का निरीक्षण किया।मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने देवी बस के अंदर ही पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र में सड़कों और पार्किंग में जलभराव की समस्या थी। हम इन समस्याओं पर गौर कर रहे हैं और जल्द ही इसका समाधान निकाल लेंगे। सभी अधिकारी हमारे साथ हैं और सभी कार्यों का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है और प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से विकास योजनाओं के लिए पर्याप्त धनराशि प्राप्त हो रहा है।भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने यहां कि सरकार का मुख्य उद्देश्य विकास है। इसके लिए सभी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंत्री स्वयं क्षेत्र का दौरा करके अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के निर्देश दे रहे हैं। मनोज तिवारी ने कहा कि आपने पिछले 15-20 वर्षों में शायद ही किसी मंत्री को वाहनों के काफिले के बिना इस तरह दौरा करते देखा होगा।

लाडो सराय में कारोबारी के घर पर फायरिंग, 20 लाख की मांगी थी रंगदारी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के लाडो सराय इलाके में सोमवार शाम करीब पांच बजे बाइक सवार बदमाशों ने एक कारोबारी के घर के बाहर हवाई फायरिंग कर दहशत फैला दी। शुरुआती जांच में मामला 20 लाख की रंगदारी से जुड़ा माना जा रहा है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस के अनुसार, बदमाश बाइक पर सवार होकर कारोबारी के कार्यालय के बाहर पहुंचे और कई राउंड हवाई फायरिंग की। गोली चलने की आवाज सुनकर इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज मिली है, जिसमें आरोपित वारदात को अंजाम देते हुए दिखाई दे रहे हैं। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए कई टीमें छापेमारी कर रही हैं। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि आरोपितों की पहचान हो चुकी है। उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि फायरिंग से पहले कारोबारी को किसी तरह की धमकी या रंगदारी की मांग की गई थी या नहीं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपितों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पत्रकारों को मिलनी चाहिए कैशलेस मेडिकल सुविधा : कपिल मिश्रा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के कानून और न्याय, श्रम, रोजगार मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि पत्रकारों को कैशलेस मेडिकल सुविधा तो मिलनी ही चाहिए। उन्होंने यह बात 'मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति' के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान कही।समिति का यह प्रतिनिधिमंडल पत्रकारों की मांगो का ज्ञापन लेकर मंत्री कपिल मिश्रा से आज दिल्ली सचिवालय में मिला। प्रतिनिधिमंडल में समिति के जनरल सेक्रेटरी रजनीकांत तिवारी, कोषाध्यक्ष अशोक कौशिक, गौरव शर्मा, श्याम सुंदर और अमित कुमार शामिल रहे। इस मौके पर कपिल मिश्रा को प्रतीक चिह्न, शॉल और पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। यह ज्ञानकारी 'मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति' के जरिए विज्ञप्ति में दी गई।विज्ञप्ति के मुताबिक, इस मौके पर कपिल मिश्रा ने पत्रकारों की मांगों पर चर्चा करते हुए कहा कि पत्रकारों को कैशलेस मेडिकल सुविधा तो मिलनी ही चाहिए। इसके साथ-साथ पत्रकारों को पेंशन, डीटीसी की अंतराजीय बसों में मुफ्त यात्रा समेत अन्य मांगों पर विचार करने का भरोसा दिया। समिति के प्रतिनिधियों ने कहा कि पत्रकार समाज और सरकार के बीच सेतु का कार्य करते हैं। कठिन परिस्थितियों, जोखिम और लगातार जिम्मेदारियों के बीच पत्रकार जनहित की आवाज को सामने लाते हैं। ऐसे में उनके स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

अंक सत्यापन, उत्तर पुस्तिका पुनर्मूल्यांकन के लिए सीबीएसई का ऑनलाइन पोर्टल लाइव

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) का अंकों के सत्यापन तथा उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए मंगलवार को ऑनलाइन पोर्टल सक्रिय हो गया। सीबीएसई ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर बताया कि कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों के लिए आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल अब सक्रिय हो गया है। इसकी आधिकारिक अधिसूचना सीबीएसई की मुख्य वेबसाइट पर जारी की गई है।इससे पहले, 26 मई को लाइव होने वाले इस ऑनलाइन पोर्टल की तकनीकी खामियों के कारण अवधि बढ़ाकर 1 जून कर दी गई थी लेकिन अन्य कारणों की वजह से इस दिन भी शुरू नहीं हो सका सका। आज वह लाइव हो गया है। सीबीएसई ने विद्यार्थीयों के लिए आधिकारिक पोर्टल लिंकः postresult.cbseit.in/pvr/ साझा किया है। इस पर विद्यार्थी अपने अंकों के सत्यापन और उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए निर्देशों के वीडियो को देखकर आवेदन करने की प्रक्रिया को पूरा कर सकते हैं।उल्लेखनीय है कि सीबीएसई अपनी बोर्ड परीक्षा के अंकों से असंतुष्ट छात्रों को अपनी कॉपियों की दोबारा जांच कराने का अवसर दे रही है। यह प्रक्रिया मुख्य रूप से तीन चरणों में होगी। पहले चरण में अंकों का सत्यापन, दूसरे चरण में मूल्यांकन शीट की फोटोकॉपी और तीसरे चरण में पुनर्मूल्यांकन होगा।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज 3 से 7 जून तक भारत दौरे पर

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज 3 से 7 जून तक भारत की यात्रा पर आयेंगी। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी और दोनों देश ऊर्जा, व्यापार, निवेश, औषधि, स्वास्थ्य, परिवहन तथा नवीकरणीय ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा करेंगी।विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में बताया कि डेल्सी रोड्रिगेज इससे पहले एक जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय 'बिग कैट अलायंस' (आईबीसीए) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आने वाली थीं, लेकिन सम्मेलन स्थगित होने के कारण उनकी यात्रा का कार्यक्रम पुनर्निर्धारित किया गया। अब वह 3 से 7 जून तक भारत की कार्यकारी यात्रा पर आएंगी।जायसवाल ने कहा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा। प्रतिनिधिमंडल में वेनेजुएला के विदेश मंत्री, अर्थव्यवस्था एवं वित्त मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, संचार एवं सूचना मंत्री तथा परिवहन मंत्री सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। यात्रा के दौरान दोनों पक्षों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी।उन्होंने कहा कि डेल्सी रोड्रिगेज का भारत के साथ लंबे समय से संपर्क रहा है और वह विभिन्न भूमिकाओं में कई बार भारत आ चुकी हैं। वर्ष 2015 में वह वेनेजुएला की विदेश मंत्री के रूप में भारत आई थीं। इसके बाद 2019, 2023, 2024 और 2025 में उपराष्ट्रपति के रूप में भारत का दौरा कर चुकी हैं। कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में उनकी यह पहली और कुल मिलाकर भारत की छठी यात्रा होगी।जायसवाल ने नेपाल के प्रधानमंत्री द्वारा भारत की भूमि के कब्जे वाले सवाल का जवाब देते हुए कहा कि भारत ने नेपाल के प्रधानमंत्री की हालिया टिप्पणियों और नेपाल के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान का संज्ञान लिया है। भारत-नेपाल सीमा का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा पहले ही चिह्नित किया जा चुका है, लेकिन कुछ हिस्सों में सीमांकन से जुड़े मुद्दे अब भी लंबित हैं। गंडक नदी के प्रवाह में समय-समय पर हुए बदलावों के कारण कुछ क्षेत्रों में सीमा संबंधी जटिलताएं उत्पन्न हुई हैं। इसके अलावा कुछ चिह्नित क्षेत्रों में सीमा पार अतिक्रमण तथा नो-मैन्स लैंड पर अतिक्रमण के मामले भी सामने आए हैं, जिनका दोनों देशों द्वारा संयुक्त रूप से मानचित्रण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीमा संबंधी सभी मुद्दों के समाधान के लिए भारत और नेपाल के बीच स्थापित द्विपक्षीय तंत्र सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। पत्रकार वार्ता में नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने की भारत यात्रा के बारे में पूछे गए सवाल जायसवाल ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच बहुआयामी एवं व्यापक साझेदारी है। इसी संदर्भ में आरएसपी अध्यक्ष भारत आए हैं और अपनी यात्रा के दौरान यहां विभिन्न उच्चस्तरीय बैठकों में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और जन-जन के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं तथा विभिन्न स्तरों पर संवाद जारी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की केन्द्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी एवं डॉ. मनसुख मांडविया से शिष्टाचार भेंट

ऊर्जा क्षेत्र की परियोजनाओं, युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी एवं केंद्रीय श्रम एवं रोजगार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मुलाकात की। मुख्यमंत्री की केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी से राजस्थान में खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाने तथा प्रदेश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने हेतु नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में जारी विभिन्न केंद्रीय योजनाओं व आगामी विकास परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने राजस्थान में हरित ऊर्जा के क्षेत्र में हो रही प्रगति और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-2 के क्रियान्वयन की सराहना की। मुख्यमंत्री की केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया से राजस्थान के युवाओं के कौशल विकास, रोजगार के नए अवसरों के सृजन और राज्य में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने व स्थानीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं व प्रोत्साहन को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। साथ ही, 'माय भारत' के माध्यम से युवाओं को प्रोत्साहन देने की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सैमसंग टीवी प्लस ने भारत में अपने FAST ऑफरिंग्स का विस्तार किया, ग्रीन गोल्ड एनिमेशन के 'ग्रीन गोल्ड टीवी' के लॉन्च के साथ

» ग्रीन गोल्ड टीवी सैमसंग टीवी प्लस पर 24x7 फ्री ऐड-सपोर्टेड बच्चों और परिवारों का चैनल लॉन्च हुआ, जो भारत भर के नए दर्शकों तक अपना क्यूरेटेड कंटेंट ले आया है

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। इस माह, भारत के प्रमुख मूल एनिमेटेड एंटरटेनमेंट क्रिएटर्स में से एक ग्रीन गोल्ड एनिमेशन ने सैमसंग टीवी प्लस पर अपना समर्पित फ्री ऐड-सपोर्टेड स्ट्रीमिंग टेलीविजन (FAST) चैनल, ग्रीन गोल्ड टीवी लॉन्च किया। सैमसंग टीवी घरों के लिए उपलब्ध यह चैनल प्लेटफॉर्म पर किड्स जॉनर में स्थित है, जो परिवारों के लिए बिना किसी सब्सक्रिप्शन या लॉगिन की आवश्यकता के सहज, हमेशा चालू रहने वाला व्यूइंग अनुभव प्रदान करता है। यह कदम कनेक्टेड टीवी स्पेस में ग्रीन गोल्ड एनिमेशन के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें माइटी राजू, सुपर भीम, कृष्ण बालराम, कृष्ण, चोर पुलिस और लव कुश जैसे लोकप्रिय टाइटल्स की क्यूरेटेड लाइन-अप को सीधे घर की स्क्रीन्स पर लाया गया है। 24x7 लीनियर चैनल के रूप में संरचित ग्रीन गोल्ड टीवी एक निर्धारित प्रोग्रामिंग रिदम का पालन करेगा - वीकडे शेड्यूल एपिसोडिक कंटेंट से लीड किया जाएगा, जो लाइन-अप का लगभग 70 प्रतिशत होगा, और वीकेंड्स मूवी प्रीमियर के साथ एंकर किए जाएंगे। चैनल पूरे भारत में हिंदी में उपलब्ध होगा, जो युवा दर्शकों और परिवार सह-दर्शन दोनों को लक्षित करेगा। यह लॉन्च FAST मॉडल के भारत में मजबूत पकड़ बनाने के समय पर आया है, जो कनेक्टेड टेलीविजन उपयोग में स्थिर वृद्धि और उच्च-गुणवत्ता वाले कंटेंट अनुभवों की बढ़ती प्राथमिकता से प्रेरित है। सैमसंग टीवी प्लस के साथ एकीकरण करके, जिसने वैश्विक रूप से 30 देशों में 100 मिलियन से अधिक सक्रिय यूजर्स को पार कर लिया है, ग्रीन गोल्ड एनिमेशन इस तेजी से बढ़ते दर्शक आधार का लाभ उठा रहा है जो घर में सबसे बड़े स्क्रीन पर ऐड-सपोर्टेड स्ट्रीमिंग की ओर बढ़ रहा है। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, ग्रीन गोल्ड एनिमेशन के फाउंडर और सीईओ श्री राजीव चिलाका ने कहा, "लंबे समय से भारत में टेलीविजन प्लेटफॉर्म स्तर पर नियंत्रित एक्सेस से परिभाषित रहा है, जबकि डिजिटल ने विकल्प दिया है - लेकिन अक्सर खंडित तरीके से। सैमसंग टीवी प्लस जैसे प्लेटफॉर्म जो कर रहे हैं, वह उस तनाव को हल कर रहा है - स्केल पर समझौता किए बिना सरलता वापस लाकर। यही हमें यह पार्टनरशिप अर्थपूर्ण बनाती है। ग्रीन गोल्ड टीवी के साथ, हम उस व्यूइंग अनुभव का हिस्सा बन रहे हैं जो आज परिवार कैसे कंटेंट उपभोग करते हैं, उसके साथ कहीं अधिक सरेखित है - प्रयासरहित, निरंतर और साझा। मुझे विश्वास है कि FAST मनोरंजन पारिस्थितिकी तंत्र की नींव की परत बन जाएगा, और यह उस दिशा में हमारा प्रारंभिक कदम है।"

प्रोफेसर केपी सिंह की दो पुस्तकों का लोकार्पण

भारतीय ज्ञान परंपरा को पोषित कर युवा पीढ़ी को तैयार करना हमारा उद्देश्य है:-श्री गुरमीत सिंह-राज्यपाल उत्तराखंड

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष,गांधी भवन के निदेशक,प्रो.केपी सिंह द्वारा लिखित उत्तराखंड के राज्यपाल ले.जनरल श्री गुरमीत सिंह के जीवन पर केंद्रित दो पुस्तकों का लोकार्पण उत्तराखंड निवास चाणक्य पुरी के सभागार में संपन्न हुआ।प्रो.केपी सिंह द्वारा संपादित एवं अटल प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक ," The Leadership Funnel- Lt. Gn. Gurmit Singh's journey as Governer और From Thought to Ink - A Collection of Lt. Gn Gurmit Singh's writings का विमोचन राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल श्री गुरमीत सिंह जी के कर कमलों से हुआ। इस आयोजन में राष्ट्रीय सैनिक संघ के सैनिक, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य और प्रोफेसर शामिल हुए।महामहिम लेफ्टिनेंट जनरल श्री गुरमीत सिंह का स्वागत प्रो केपी सिंह ने अंग वस्त्र,पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह देकर किया।अटल प्रकाशन से उपासना काबरा ने अपने स्वागत वक्तव्य में महामहिम राज्यपाल महोदय एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने अटल प्रकाशन द्वारा आधुनिक तकनीकी पर आधारित पुस्तकों के प्रकाशन के विषय में जानकारी दी।उन्होंने प्रो केपी सिंह द्वारा संपादित इन दो महत्वपूर्ण पुस्तकों के विमोचन के लिए आभार प्रकट किया।

नीट पेपर लीक से छात्रों के करियर पर असर

लोकतंत्र की शान, सना खान, दिल्ली ब्यूरो चीफ

देश की प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (NEET) में बार-बार पेपर लीक की घटनाएं छात्रों और अभिभावकों के लिए चिंता का विषय बनती जा रही हैं। हर वर्ष लाखों विद्यार्थी डॉक्टर बनने का सपना लेकर कड़ी मेहनत और लंबे समय तक तैयारी करते हैं। ऐसे में पेपर लीक की खबरें सामने आने पर उनकी मेहनत और परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो जाते हैं। पेपर लीक का सबसे बड़ा असर उन छात्रों पर पड़ता है जो ईमानदारी से तैयारी करते हैं। परीक्षा रद्द होने या दोबारा आयोजित होने की स्थिति में विद्यार्थियों को मानसिक तनाव, चिंता और निराशा का सामना करना पड़ता है। कई छात्रों का आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है, जिससे उनकी आगे की पढ़ाई और प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी घटनाएं शिक्षा व्यवस्था में छात्रों का भरोसा कमजोर करती हैं। साथ ही, दोबारा परीक्षा की तैयारी और अन्य खर्चों का आर्थिक बोझ भी कई परिवारों पर पड़ता है। इसलिए आवश्यक है कि परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुरक्षित तथा पारदर्शी बनाया जाए। सख्त निगरानी और कड़ी कार्रवाई के माध्यम से ही छात्रों के भविष्य और उनकी मेहनत की रक्षा की जा सकती है।

मंत्री इंद्राज और सिरसा ने मुंगेशपुर गांव में प्रदूषण संबंधी समस्याओं का किया निरीक्षण

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह और पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मुंगेशपुर गांव का दौरा कर हरियाणा सीमा से सटे औद्योगिक क्षेत्रों के कारण उत्पन्न गंभीर प्रदूषण संबंधी समस्याओं का निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण, खराब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) तथा उसके जनस्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रभावों से मंत्रियों को अवगत करा। नागरिकों द्वारा उठाई गई चिंताओं को गंभीरता से सुनते हुए क्षेत्र की पर्यावरणीय स्थिति की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई।मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि दौरे के दौरान मुंगेशपुर स्थित वन भूमि का भी निरीक्षण किया गया, जहां व्यापक वृक्षारोपण एवं हरित क्षेत्र विकसित करने की संभावनाओं पर विचार विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाना, प्रदूषण के प्रभाव को कम करना तथा दिल्ली देहात के लिए एक सशक्त पर्यावरणीय आधार तैयार करना है। मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण, बेहतर जीवन गुणवत्ता और क्षेत्र के सतत विकास के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

ईडी ने मप्र में पूर्व जिला आबकारी अधिकारी की 18.20 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय ने मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत अलीराजपुर के पूर्व जिला आबकारी अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह भदौरिया और उनके परिवार के सदस्यों की लगभग 18.20 करोड़ रुपये मूल्य की चल एवं अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क की हैं। कुर्क की गई संपत्तियों में नकदी, आभूषण, बहुमूल्य धातुएं तथा अचल संपत्तियां शामिल हैं। ईडी ने बताया कि एजेंसी ने यह जांच इंदौर लोकायुक्त के विशेष पुलिस स्थापना(एसपीई) द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर शुरू की थी। प्राथमिकी में धर्मेन्द्र सिंह भदौरिया पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया गया था। ईडी के अनुसार जांच में सामने आया कि वर्ष 1987 से 31 अगस्त 2025 तक की जांच अवधि में भदौरिया ने अपनी वैध आय की तुलना में कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की। इस अवधि में उनकी वैध आय लगभग दो करोड़ रुपये थी, जबकि उन्होंने और उनके परिवार के सदस्यों ने लगभग 11.18 करोड़ रुपये की संपत्तियां अर्जित कीं और खर्च किए। इस प्रकार करीब 9.18 करोड़ रुपये की संपत्ति आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक पाई गई, जो उनकी वैध आय से लगभग 459 प्रतिशत अधिक है। लोकायुक्त द्वारा विभिन्न परिसरों और बैंक लॉकरों पर की गई तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी, सोने के आभूषण, बुलियन, चांदी के सामान और अन्य कीमती वस्तुएं बरामद की गई थीं। ईडी की जांच में भदौरिया ने बरामद नकदी और आभूषणों पर अपना स्वामित्व स्वीकार किया, लेकिन उनके स्रोत के संबंध में कोई विश्वसनीय दस्तावेज या संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच एजेंसी के अनुसार भदौरिया और उनके परिवार के पास जांच अवधि के दौरान अर्जित कई उच्च मूल्य की चल एवं अचल संपत्तियां पाई गईं, जिनके लिए इस्तेमाल की गई धनराशि के स्रोत का संतोषजनक विवरण उपलब्ध नहीं कराया जा सका। ईडी की पीएमएलए जांच में कुल 18.20 करोड़ रुपये की अनुपातहीन संपत्तियों का पता चला है।

झारखंड के गोड्डा में एसबीआई शाखा प्रबंधक 77 हजार रुपये रिश्वत लेते सीबीआई के हत्थे चढ़ा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने झारखंड के गोड्डा जिले के डुमरिया स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) शाखा के प्रबंधक रोहित कुमार सिंह को 77 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सीबीआई की इस कार्रवाई से बैंकिंग क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।सीबीआई की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, एजेंसी ने इस मामले में 31 मई को प्राथमिकी दर्ज की थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसकी दिवंगत माता से संबंधित प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख रुपये के बीमा दावे के भुगतान के एवज में शाखा प्रबंधक ने 60 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी।शिकायत में यह भी कहा गया था कि शिकायतकर्ता की माता के बैंक खाते को उसके नाम स्थानांतरित किए जाने के बाद खाते से 35 हजार रुपये की निकासी पर लगी रोक हटाने के लिए भी आरोपित प्रबंधक ने अतिरिक्त 17 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। इस प्रकार कुल 77 हजार रुपये रिश्वत की मांग की गई थी। शिकायत प्राप्त होने के बाद सीबीआई ने मामले का सत्यापन किया और आरोपों की पुष्टि होने पर जाल बिछाकर कार्रवाई की योजना बनाई। तय रणनीति के तहत सीबीआई की टीम ने आरोपित शाखा प्रबंधक को शिकायतकर्ता से 77 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। सीबीआई अधिकारियों ने आरोपित को मौके से गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी। गिरफ्तारी के बाद एजेंसी ने आरोपित के कार्यालय और आवासीय परिसरों में तलाशी अभियान भी शुरू किया, ताकि मामले से जुड़े अन्य साक्ष्य और दस्तावेज जुटाए जा सकें।जांच एजेंसी के अनुसार, तलाशी के दौरान बरामद दस्तावेजों और अन्य सामग्रियों की भी जांच की जा रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपित किसी बड़े भ्रष्टाचार नेटवर्क का हिस्सा तो नहीं था या इस प्रकार की शिकायतें पहले भी उसके खिलाफ सामने आई थीं। सीबीआई ने बताया कि गिरफ्तार शाखा प्रबंधक रोहित कुमार सिंह को मंगलवार को धनबाद स्थित सक्षम न्यायालय में पेश किया जाएगा, जहां एजेंसी उसकी रिमांड की मांग कर सकती है। मामले की जांच अभी जारी है और आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर की जाएगी।

भारत ने यूएन में उठाया 'विकास का मुद्दा', उप महासचिव से की उच्च स्तरीय वार्ता

लोकतंत्र की शान

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी० हरीश ने यहां यूएन मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईकोसॉक) के सत्र में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने विकास के मुद्दे पर जोर दिया और यूएन की उप महासचिव और सतत विकास समूह की अध्यक्ष अमीना जे० मोहम्मद के साथ एक उच्च स्तरीय संवाद में भी हिस्सा लिया। वार्ता के दौरान भारत ने विकास को संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च प्राथमिकता वाला स्तंभ बताते हुए इसे संरक्षित करने और देशों की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को विकास के मूल में रखने पर सबसे ज्यादा जोर दिया। राजदूत हरीश ने स्पष्ट किया कि संयुक्त राष्ट्र के विकास स्तंभ की प्रधानता किसी भी हाल में बनी रहनी चाहिए। यह शांति और सुरक्षा के साथ-साथ यूएन के मुख्य कार्यों में से एक है। भारत ने रेखांकित किया कि वैश्विक विकास के सभी प्रयास सदस्य देशों की अपनी राष्ट्रीय आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुरूप होने चाहिए। यूएन की नीतियां स्थानीय संदर्भ और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर ही बनाई जानी चाहिए। हरीश ने वार्ता में हिस्सा लेने के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा संयुक्त राष्ट्र के विकास स्तंभ की प्रधानता को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया और यह दोहराया कि सभी विकास प्रयासों के केंद्र में 'राष्ट्रीय स्वामित्व' ही होना चाहिए। इस बात पर भी जोर दिया कि 'रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर प्रणाली' में किया जाने वाला कोई भी पुनर्संमायोजन, विकास स्तंभ के संदर्भ में विभिन्न देशों को मिलने वाले कार्यक्रम-समर्थन को और अधिक सुदृढ़ बनाने वाला होना चाहिए। हरीश ने आगे बताया कि चूंकि इस प्रणाली के भविष्य के वित्तपोषण और शासन-प्रबंध से संबंधित चर्चाएं अभी भी जारी हैं, ऐसे में भारत की ओर से पारदर्शिता, जवाबदेही और 'रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर प्रणाली' के विकास-प्रभाव के व्यापक मूल्यांकन की आवश्यकता को भी रेखांकित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

हर जरूरतमंद को दिलाएं कल्याणकारी योजनाओं का लाभः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान : गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र नागरिक तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। आवास से लेकर इलाज तक, बिटिया की पढ़ाई व विवाह से लेकर निराश्रितों व बुजुर्गों की पेंशन तक, समाज के हर जरूरतमंद के लिए सरकार की अनेक योजनाएं हैं। सभी पात्र लोगों से आवेदन कराकर इन योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाया जाए। सीएम योगी मंगलवार को जनता दर्शन में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। सोमवार देर शाम गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंदों को आवास सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन जरूर करें। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि हर पात्र व्यक्ति का संबंधित योजना में आवेदन कराकर लाभ दिलाया जाए।

बरेली में ट्रैफिक पुलिस बनी मसीहा, धूप में खराब स्कूल वैन को धक्का लगाकर बच्चों को पहुंचाई राहत

नवल्टी चौराहे पर दिखा खाकी का मानवीय चेहरा, भीषण गर्मी में फंसे स्कूली बच्चों की मदद कर पेश की मिसाल

लोकतंत्र की शान :(बरेली उत्तर प्रदेश संदीप चंद्रा) बरेली। सिविल लाइंस स्थित नवल्टी चौराहे पर सोमवार दोपहर ट्रैफिक पुलिस का संवेदनशील और मानवीय चेहरा देखने को मिला। भीषण गर्मी के बीच अचानक खराब हुई एक स्कूल वैन में बैठे मासूम बच्चे परेशानी में फंस गए। वैन के बीच चौराहे पर बंद होने से जहां जाम लगने की आशंका थी, वहीं तेज धूप के कारण बच्चे भी असहज हो रहे थे। ऐसे में ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने बिना समय गंवाए तुरंत मदद का हाथ बढ़ाया। पुलिसकर्मी दौड़कर वैन तक पहुंचे और स्वयं धक्का लगाकर उसे सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। इसके बाद बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें राहत दिलाई गई। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिसकर्मियों की तत्परता और मानवता की भावना की जमकर सराहना की। घटना का वीडियो किसी राहगीर ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। वीडियो में ट्रैफिक पुलिसकर्मी कड़ी धूप में स्कूल वैन को धक्का लगाते दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोगों ने खाकी के इस मानवीय रूप को सलाम करते हुए पुलिसकर्मियों की प्रशंसा की। एक यूजर ने लिखा, "जब लोग गर्मी से बचने के लिए घरों में हैं, तब पुलिस सड़क पर लोगों की मदद के लिए खड़ी है।"

नजीबाबाद के झंडा चौक पर युवती ने किया हंगामा, पुलिस ने दिखाई मानवता

लोकतंत्र की शान : खिज़र अहमद ,नजीबाबाद। नगर के व्यस्त झंडा चौक क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब एक युवती ने अचानक हंगामा शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवती ने तेज आवाज में नारेबाजी करते हुए आसपास रखे सामान में तोड़फोड़ की, जिससे मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। युवती के लगातार शोर-शराबे और असामान्य हरकतों के चलते कुछ देर के लिए क्षेत्र में दहशत और अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को संभालने में जुट गई। पुलिसकर्मियों ने बेहद संयम, समझदारी और धैर्य का परिचय देते हुए युवती को शांत कराने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने युवती को काबू में लेकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार युवती मानसिक रूप से कमजोर प्रतीत हो रही थी। पुलिस ने संवेदनशीलता और मानवता का परिचय देते हुए युवती के परिजनों का पता लगाया तथा उसे सुरक्षित उसके घर भिजवा दिया। पुलिस की इस मानवीय पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी पुलिस ने धैर्य बनाए रखा और किसी अप्रिय घटना को होने से रोक दिया।

सखी वन स्टॉप सेंटर ने करवाई कर बेटे की कैद से 7 महीने बाद मां को छुड़ाया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः मंगलवार को हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में सखी वन स्टॉप सेंटर और पुलिस की टीम ने एक महिला को उसके कलयुगी के बेटे की कैद से मुक्त कराया महिला, को पिछले 7 महीने से घर में बंद रखा गया था यह करवाई मंगलवार को की गई आरोपी बेटा अपनी मां को एक कमरे में बंद कर घर में ताला लगा देता था, किसी को भी मां से मिलने नहीं देता था यह मामला तब सामने आया जब पीड़िता की बेटी ने महिला हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराई बेटी ने बताया कि उसका छोटा भाई मां को घर में बंद रखता है और किसी भी भाई-बहन को उनसे मिलने नहीं देता उसे मां की सुरक्षा को लेकर चिंता थी सूचना मिलने पर वन स्टाफ केंद्र की केंद्र प्रबंधक ममता दुबे, मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता करुणा निधि, मिशन शक्ति केंद्र हसनपुर की प्रभारी अनुराधा भारती, और स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंचे टीम ने सूझबूझ दिखाते हुए जनगणना का बहाना बनाकर आरोपी बेटे से घर का दरवाजा खुलवाया अंदर जाने पर मां काफी डरी हुई मिली पीड़िता ने बताया कि उसका बेटा अकसर उसके साथ मारपीट करता था और 7 महीने से उन्होंने किसी से बात नहीं की थी, पड़ोसियों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि पीड़िता के पति की मृत्यु के बाद से बेटे ने मां को घर में बंद कर रखा था और उन्हें बाहर नहीं देखा गया था आरोपी बेटे की मानसिक स्थिति ठीक नहीं प्रतीत हो रही है, कैद से आजाद होने के बाद महिला ने टीम का धन्यवाद किया और अपनी बेटी राधिका के साथ जाने की इच्छा जताई, केंद्र प्रबंधक ममता दुबे ने बताया कि पीड़िता को उसकी बेटी को सौप दिया गया है बेटी को मां का ख्याल रखने और भाई का उचित मनोवैज्ञानिक इलाज करने की सलाह दी गई है।

11 हजार वोल्ट लाइन का कहरः करंट से 6 बकरियों की मौत, महिला गंभीर झुलसी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार सुबह बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई हसनपुर-गजरौला मार्ग पर दीपपुर गांव के पास 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के खंभे में उतरे करंट की चपेट में आने से छह बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उन्हें बचाने की कोशिश में एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। घटना के बाद ग्रामीणों में विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश है। जानकारी के अनुसार दीपपुर गांव निवासी बबीता, सरिता, सोना और सोनाक्षी मंगलवार सुबह करीब 9 बजे दीपपुर गेट के पास सड़क किनारे बकरियां चरा रही थीं। इसी दौरान सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे में अचानक करंट दौड़ गया। खंभे के संपर्क में आते ही छह बकरियां तड़पकर वहीं गिर पड़ीं और कुछ ही पलों में उनकी मौत हो गई। बकरियों को तड़पता देख बबीता उन्हें बचाने दौड़ी, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में बिजली आपूर्ति बंद कराई। परिजनों ने घायल बबीता को तत्काल हसनपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों के मुताबिक उसके शरीर का 40% हिस्सा झुलस गया है। सूचना पर हसनपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि खंभे में कई दिनों से करंट उतर रहा था। शिकायत के बावजूद बिजली विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित परिवार ने करंट से मरी छह बकरियों के नुकसान की भरपाई के लिए उचित मुआवजे की मांग भी की है। ग्रामीणों का कहना है कि बकरियां ही उनके परिवार की आजीविका का सहारा थीं। पुलिस ने शवों का पंचनामा भरकर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं बिजली विभाग के अधिकारी मामले की जांच की बात कह रहे हैं।

संभल में शोक संवेदनाः सांसद आदित्य यादव ने स्व. अकबर अली अंसारी को दी श्रद्धांजलि, परिजनों से की मुलाकात

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

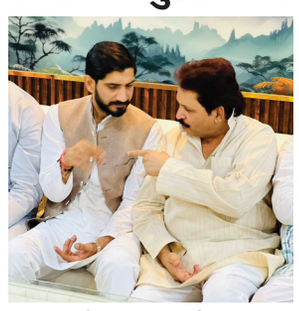

संभल। बदायूं सांसद आदित्य यादव आज 2 जून को संभल के ग्राम बरई पहुंचे, जहां उन्होंने समाजवादी पार्टी संभल के जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी के पिता स्वर्गीय अकबर अली अंसारी के निधन पर उनके आवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और खेराजे अकीदत पेश किया। इस दौरान सांसद ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरी समाजवादी पार्टी परिवार के साथ खड़ी है और स्वर्गीय अकबर अली अंसारी का जीवन गांव के विकास और सामाजिक सौहार्द के लिए समर्पित रहा। सांसद आदित्य यादव ने बताया कि स्वर्गीय अकबर अली अंसारी 17 वर्षों तक ग्राम प्रधान रहे और अपने कार्यकाल में गांव के विकास, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। इस मौके पर गुन्नौर विधायक राम खिलाड़ी यादव, सहसवान विधायक बृजेश यादव, जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार, विधायक प्रतिनिधि इकबाल, सोहैल, उमेश चंद्र दिवाकर, शोभित कुमार, काका प्रधान कौसर अली अंसारी, सतीश प्रेमी, आसिफ इकबाल, बिट्टू कश्यप, अमित यादव, लियाकत खान, तस्लीम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य सुभाष चंद्र, कपिल देव, रियासत हुसैन, बिलाल, मकसूद खान, हाजी इरशाद सलमानी, अकबर मलिक सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे। सांसद ने विशेष रूप से जिला अध्यक्ष के बड़े भाई कौसर अली अंसारी एवं परिजनों को सांत्वना दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

अवजालपुरा में सड़क का निरीक्षण करने पहुंचे एआईएमआईएम के वरिष्ठ नेता चौधरी मुबश्शिर अली खान

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। एआईएमआईएम के वरिष्ठ नेता चौधरी मुबश्शिर अली खान ने मंगलवार को अवजालपुरा क्षेत्र का दौरा कर सड़क की स्थिति का निरीक्षण किया तथा स्थानीय लोगों की समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान चौधरी मुबश्शिर अली खान ने सड़क की जर्जर स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बेहतर सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं। उन्होंने कहा कि अवजालपुरा सहित पूरे संभल जनपद में विकास कार्यों को गति देने के लिए जनसमस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज को मजबूती से उठाना और क्षेत्र के विकास के लिए संघर्ष करना उनका कर्तव्य है। चौधरी मुबश्शिर अली खान ने क्षेत्रवासियों को भरोसा दिलाया कि सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं के मुद्दों को लगातार उठाया जाएगा, ताकि संभल विकास की नई ऊंचाइयों को छू सके। क्षेत्रीय लोगों ने उनके दौरे का स्वागत करते हुए कहा कि चौधरी मुबश्शिर अली खान हमेशा जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझते हैं और विकास कार्यों के लिए सक्रिय भूमिका निभाते हैं। लोगों ने उम्मीद जताई कि उनके प्रयासों से क्षेत्र में जल्द ही सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। अवजालपुरा में सड़क का निरीक्षण कर विकास कार्यों को लेकर गंभीर दिखे एआईएमआईएम के वरिष्ठ नेता चौधरी मुबश्शिर अली खान

असपा नेता को दी जान से मारने की धमकी समर्थकों ने कोतवाली में किया हंगामा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः सड़क पर खड़े ट्रक को हटाने को लेकर हुए विवाद में आजाद समाज पार्टी (असपा) के प्रदेश कोर कमेटी सदस्य एवं मंडल प्रभारी मुरादाबाद देवेंद्र बैसला को कथित तौर पर गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी गई। घटना के बाद गुस्साए असपा नेता अपने समर्थकों के साथ हसनपुर कोतवाली पहुंचे और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को हसनपुर नगर के मुख्य मार्ग पर सड़क के बीचों-बीच एक ट्रक खड़ा था, जिससे यातायात बाधित हो रहा था। जाम में फंसे असपा नेता देवेंद्र बैसला ने ट्रक चालक/मालिक से गाड़ी हटाने का अनुरोध किया। आरोप है कि इस पर ट्रक चालक भड़क गया और असपा नेता के साथ अभद्र व्यवहार करने लगा। बात बढ़ने पर आरोपी ने उन्हें गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दे डाली। पीड़ित असपा नेता देवेंद्र बैसला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने खुलेआम कहा कि "राजनीति छोड़ दो, वरना अंजाम बुरा होगा।" घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। समर्थकों को सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में असपा कार्यकर्ता घटनास्थल पर पहुंचे और फिर सभी ने हसनपुर कोतवाली का घेराव कर दिया। कोतवाली में असपा नेताओं ने आरोपी के खिलाफ तहरीर देकर तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे में कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। कोतवाली प्रभारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के बाद सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

4 जून से निकलेगी आज़ाद समाज पार्टी की सत्ता परिवर्तन यात्रा, संगठन मजबूती और जनसंपर्क पर रहेगा फोकस

» खुर्शीद मंसूरी ने कार्यकर्ताओं से की यात्रा को सफल बनाने की अपील

लोक तंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद/बिजनौर। आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) की ओर से आगामी 4 जून से शुरू होने वाली "सत्ता परिवर्तन यात्रा" को लेकर तैयारियां तेज़ कर दी गई हैं। पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर यात्रा की रूपरेखा तैयार की गई। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता खुर्शीद मंसूरी ने कहा कि सत्ता परिवर्तन यात्रा का उद्देश्य प्रदेश की जनता की समस्याओं को उठाना, सामाजिक न्याय की आवाज़ को मजबूत करना तथा संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाना है। खुर्शीद मंसूरी ने कहा कि यात्रा के दौरान विभिन्न गांवों, कस्बों और शहरों में जनसभाएं, नुक्कड़ सभाएं एवं जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार जनता की मूलभूत समस्याओं का समाधान करने में विफल रही है, जिसके चलते आम लोगों में भारी असंतोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि आज़ाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष Chandrashekhar Azad के नेतृत्व में पार्टी लगातार समाज के कमजोर, शोषित, वंचित एवं पिछड़े वर्गों की आवाज़ बुलंद कर रही है। सत्ता परिवर्तन यात्रा के माध्यम से पार्टी अपनी नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगी। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं से यात्रा को सफल बनाने की अपील करते हुए खुर्शीद मंसूरी ने कहा कि अधिक से अधिक संख्या में लोग इस अभियान से जुड़ें और प्रदेश में बदलाव की मुहिम को मजबूती प्रदान करें। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में आज़ाद समाज पार्टी प्रदेश की राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरेगी। यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है तथा विभिन्न क्षेत्रों में स्वागत एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि सत्ता परिवर्तन यात्रा जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए संघर्ष का माध्यम बनेगी।

DIG अजय साहनी की सख्ती लाई रंगः बरेली मंडल में एक रात में 3 एनकाउंटर, 6 बदमाश गिरफ्तार

लोक तंत्र की शान

बरेली। उत्तर प्रदेश(संदीप चंद्रा) बरेली मंडल में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार रात पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग जिलों में मुठभेड़ों के दौरान छह शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में कई आरोपियों के पैर में गोली लगी, जबकि दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए। यह कार्रवाई DIG अजय साहनी के निर्देशन में चल रही जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा मानी जा रही है।

बदायूं में लुटेरों से मुठभेड़, दो घायल, एक गिरफ्तार- बदायूं जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र में पुलिस चेकिंग के दौरान बाइक सवार संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। घेराबंदी होते ही आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें सिपाही प्रिंस चौधरी घायल हो गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में फारुख उर्फ बादशाह और अमन चतुर्वेदी के पैर में गोली लगी, जबकि तीसरे आरोपी सुरजीत उर्फ नानू को कांबिंग अभियान के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के कब्जे से लूटी गई बाइक बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार ये आरोपी हाल ही में हुई लूट की वारदात में वांछित थे।

पुराने कपड़ों के गोदाम में भीषण आग, इलाके में मची अफरा-तफरी

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश / मुरादाबाद शहर के एक पुराने कपड़ों के गोदाम में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और गोदाम से उठती ऊंची-ऊंची लपटें दूर-दूर तक दिखाई देने लगीं। आग लगने के बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के प्रयास में जुट गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी भयंकर थी कि गोदाम से निकल रहा धुआं और लपटें काफी दूर से दिखाई दे रही थीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच कराई जा रही है। आग से हुए नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक में संगठन विस्तार और गांव-गांव सदस्यता पर दिया गया जोर

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

मण्डी धनौराः भारतीय किसान संघ जनपद अमरोहा के विकास खंड धनौरा की मासिक बैठक सोमवार को जिला गन्ना प्रमुख मधुकर तेजा के आवास पर संपन्न हुई। जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी संजीव कुमार शर्मा मौजूद रहे। बैठक में ब्लाक प्रभारी व जिला जैविक प्रमुख हरि प्रकाश राणा, जिला कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंह चौहान सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक का आयोजन तीन सत्रों में किया गया। जिला प्रभारी संजीव कुमार शर्मा का प्रवास ब्लाक मंत्री सौरभ चौधरी के आवास पर रहा। प्रथम सत्र में जिला प्रभारी संजीव कुमार शर्मा ने संगठन के विस्तार पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यकर्ताओं को समझाया कि संगठन को जमीनी स्तर पर कैसे मजबूत बनाया जाए। उन्होंने कहा कि हर गांव तक किसान संघ की पहुंच होनी चाहिए और किसानों की समस्याओं का समाधान संगठन की पहली प्राथमिकता है। प्रांत युवा प्रमुख की जिम्मेदारी निभा रहे शर्मा ने युवाओं को संगठन से जोड़ने पर विशेष बल दिया। द्वितीय सत्र में जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा ने पूरे खंड में सदस्यता अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संकल्प दिलाया कि एक माह में प्रत्येक गांव तक सदस्यता पहुंचाई जाए। ब्लॉक अध्यक्ष को निर्देश दिए कि समस्त गांवों में जिम्मेदार कार्यकर्ताओं की सूची बनाकर शीघ्र जिला कार्यकारिणी को उपलब्ध कराएं ताकि जवाबदेही तय हो सके। तृतीय सत्र में ब्लाक प्रभारी हरि प्रकाश राणा ने सुझाव दिया कि ब्लॉक कार्यकारिणी के दायित्ववान कार्यकर्ताओं के साथ-साथ जिला कार्यकारिणी के सदस्यों को भी 4 से 5 गांवों की जिम्मेदारी दी जाए। इससे संगठन की पकड़ मजबूत होगी और किसानों से सीधा संवाद स्थापित होगा। बैठक में जिला कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंह, जिला गन्ना प्रमुख मधुकर तेजा, ब्लाक मंत्री सौरभ चौधरी, गांव अध्यक्ष सोमप्रकाश, कल्लू सिंह, सदनपाल सिंह, जीत सिंह, हैविन चौधरी, निशान्त चौधरी, गजराज सिंह, विक्रांत तेजा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, सहयोग शिविर का किया उद्घाटन, सुनीं लोगों की समस्याएं

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री और वैशाली जिले के प्रभारी मंत्री निशांत कुमार मंगलवार को पहली बार वैशाली पहुंचे। उन्होंने वैशाली प्रखंड की भगवतपुर पंचायत में आयोजित 'सहयोग शिविर' में आम लोगों की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मंत्री निशांत कुमार ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया और सीधे आमजनों से संवाद किया। भगवतपुर मध्य विद्यालय के समीप स्थित मैदान में शिविर के लिए एक बड़ा पंडाल बनाया गया था, जहाँ सभी प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए बैठने, पेयजल और सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह और पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग भी शिविर में मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने आम लोगों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की प्रक्रिया सुनिश्चित की। प्रशासन का उद्देश्य है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध हो सकें। शिविर में राजस्व, भूमि सुधार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, आपूर्ति, बिजली, कृषि, पंचायती राज, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण और कल्याण विभाग सहित कई विभागों के अलग-अलग काउंटर लगाए गए थे। प्रत्येक काउंटर पर संबंधित विभाग के पदाधिकारी और कर्मी मौजूद थे, जिन्होंने लोगों की शिकायतें, आवेदन और सुझाव प्राप्त कर उनका त्वरित निपटारा किया। भगवतपुर के बाद प्रभारी मंत्री निशांत कुमार महनार प्रखंड की करनौती पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में भी शामिल होंगे, जहाँ वे आमजनों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनेंगे और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे।

वैशाली में दामाद की मौत, बेटे ने नाना-नानी पर जहर देकर मर्डर का आरोप लगाया

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मृतक के नाबालिग बेटे ने अपने नाना-नानी पर तलाक विवाद के चलते जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। यह घटना करताहा थाना क्षेत्र के गुरमियां तिवारी टोला में हुई है। मृतक की पहचान राजापाकड़ थाना क्षेत्र के बाकरपुर, वार्ड नंबर 11 निवासी मिथलेश कुमार, उम्र-35 (पिता स्वर्गीय प्रमोद पासवान) के रूप में हुई है। मृतक के नाबालिग बेटे ने पुलिस को बताया कि उसके नाना-नानी ने उसके पिता को जहर देकर मार डाला है। बेटे अनिकेत राज के अनुसार, उसकी मां उसके पिता से तलाक मांग रही थी। बताया जा रहा है कि मृतक मिथिलेश बैंगलोर में एक प्राइवेट कंपनी में मजदूरी करता था। बेटे अनिकेत राज ने यह भी आरोप लगाया कि बैंगलोर में उसकी मां ने उसके पिता के हाथ-पैर बंधवाकर पिटाई करवाई थी और फिर भाग गई थी। इस घटना के बाद पिता बिदुपुर में अपनी बहन के घर चले गए थे। बेटे के मुताबिक, 30 मई को नाना-नानी ने बहला-फुसलाकर उन्हें मौसी के घर से बुलाया। आरोप है कि इसके बाद 1 जून को उन्हें जहर देकर मार दिया गया। उसने यह भी बताया कि 30 मई को जब उसके पिता नाना-नानी के घर आए थे, तो नानी गुड़िया देवी और पिता के बीच विवाद हुआ था। मामा ने भी पिता के साथ गाली-गलौज की थी। मिथलेश कुमार की शादी 12 साल पहले सतनारायण पासवान की बेटी सोनी कुमारी से हुई थी। मिथलेश के तीन छोटे बेटे हैं। घटना के बाद आरोपी ससुर और साले फरार बताए जा रहे हैं। सदर एसडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया कि करताहा थाना क्षेत्र में सतनारायण पासवान के दामाद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। पुलिस को सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और FSL टीम को बुलाया गया। जांच के लिए सैंपल लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि घटनास्थल पर मृतक की मां और बहन भी पहुंची हैं, लेकिन अभी तक उनके पूर्ण बयान दर्ज नहीं किए गए हैं। फिलहाल, पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

हाजीपुर में ओवरब्रिज पर दो ट्रकों की टक्कर, बालू लदा ट्रक क्षतिग्रस्त, चालक फरार

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर-पटना मुख्य मार्ग पर महात्मा गांधी सेतु से जुड़ी नई ओवरब्रिज पर मंगलवार सुबह करीब 2 बजे दो ट्रकों की टक्कर हो गई। यह हादसा हाजीपुर सर्किट हाउस के पास हुआ। दुर्घटना में बालू से लदा एक ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पटना से हाजीपुर आने वाली पश्चिमी लेन पर एक चावल लदा ट्रक खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित बालू लदे ट्रक ने उसमें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बालू लदे ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चावल लदे ट्रक के चालक रंजीत कुमार, जो नवादा जिले के निवासी हैं, ने बताया कि वह रांची से चावल लेकर उत्तर प्रदेश जा रहे थे। उन्होंने मंगलवार सुबह लगभग 3 बजे ओवरब्रिज पर अपना ट्रक खड़ा किया था और नीचे पेशाब करने गए थे। जब वह वापस ट्रक पर चढ़ने वाले थे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार बालू लदे ट्रक ने उनके वाहन में टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बालू लदे ट्रक पर कोई उपचालक मौजूद नहीं था और चालक कथित तौर पर नशे की हालत में था। हादसे के तुरंत बाद बालू लदे ट्रक का चालक मौके से फरार हो गया। इस घटना के संबंध में पूछे जाने पर यातायात थाना प्रभारी सुजीत कुमार ने बताया कि उन्हें फिलहाल दुर्घटना की जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जानकारी प्राप्त होने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वैशाली- शादी के 3 महीने बाद पति-पत्नी का मिला शव, छोटे भाई पर हत्या का आरोप

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में मंगलवार सुबह पति-पत्नी का शव घर में फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान रवि कुमार (26) और उनकी पत्नी उर्मिला कुमारी (21) के रूप में हुई है। दोनों की 3 महीने पहले 27 फरवरी 2026 को शादी हुई थी। हत्या का आरोप रवि के छोटे भाई पर लगा। मृतक रवि कुमार 2 भाइयों में बड़े थे। बताया जा रहा है कि छोटे भाई सुमन कुमार ने रवि की शादी से पहले इंटरकास्ट मैरिज की थी। 2 महीने पहले वो अपनी बीवी को घर लेकर आया था। रवि और उर्मिला इस विवाह का लगातार विरोध कर रहे थे। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि सुमन ने अपने बड़े भाई और भाभी की हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने दोनों के शवों को छत से लटका दिया। घटना के बाद से सुमन और उसकी बीवी फरार है। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना पकड़ी चौक से करीब 200 मीटर अंदर की है। मृतका उर्मिला कुमारी के बड़े भाई सोनू कुमार ने बताया, "फरवरी में हमने अपनी बहन की शादी धूमधाम से की थी। मेरी बहन और बहनोई दोनों इस रिश्ते से खुश थे। हालांकि, बहन ने कई बार बताया था कि उसे ससुराल में परेशान किया जाता है। यहां तक कि शादी के बाद पहली होली पर भी उसे मायके नहीं आने दिया गया। मेरे बहनोई हाइवा चालक थे, इसलिए वे अधिकतर समय काम के सिलसिले में घर से बाहर रहते थे। शादी से पहले उन्होंने अपनी कमाई से घर बनवाया था।" मृतका के भाई सोनू कुमार ने आगे बताया, "मेरी बहन का देवर सुमन कुमार अंतरजातीय विवाह करने के बाद घर से अलग रह रहा था। बहन की शादी के करीब दो महीने बाद वह पहली बार अपनी पत्नी को लेकर घर आया था। मेरे बहनोई इस विवाह का विरोध कर रहे थे। वे सुमन और उसकी पत्नी को घर में नहीं रखना चाहते थे, जबकि उनके पिता छोटे बेटे को अपने साथ रखना चाहते थे। इसी बात को लेकर परिवार में विवाद शुरू हो गया था। परिवार के कुछ लोगों का कहना था कि जिस जमीन पर घर बना है, उसमें उनका भी हिस्सा है। इसी वजह से सुमन भी उसी घर में रहेगा। यदि किसी को आपत्ति है, तो वह घर छोड़ सकता है। बीती रात करीब 11 बजे मेरे बहनोई काम से घर लौटे थे। इसी दौरान मेरी बहन ने फोन कर कहा कि वह अब उस घर में नहीं रहना चाहती। उसने बताया कि तुम्हारे जीजा कह रहे हैं कि वह कुछ समय के लिए मायके चली जाए।

बॉयफ्रेंड से झगड़े के बाद छात्रा ने किया सुसाइड

दोस्त से कहा- देखो बात नहीं कर रहा है, पटना के हॉस्टल में फंदे से लटकी मिली लाश

लोकतंत्र की शान , पटना

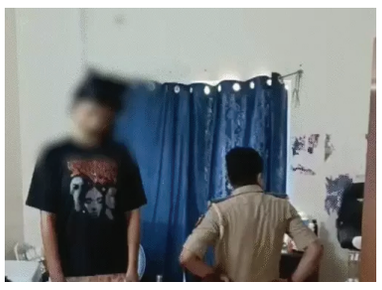

पटना में NEET की तैयारी कर रही छात्रा ने सुसाइड कर लिया। मंगलवार को राधे कृष्णा हॉस्टल में उसकी बॉडी फंदे से लटकी मिली। मृतका समस्तीपुर की रहने वाली श्रुति कुमारी (17) है। वह 2024 से हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। हॉस्टल में रहने वाली छात्रा की दोस्त अंशु ने बताया कि सुसाइड से पहले श्रुति ने किसी लड़के से बात की थी। वो काफी रो रही थी। उसने अपने दोस्त को रोते हुए परेशानी बताई थी। कहा- वो लड़का उससे बात नहीं कर रहा। इसके बाद अंशु ने उससे कहा था- 'कुछ गलत मत करना। अपने माता पिता के पास चली जाओ।' वहीं श्रुति के रिश्तेदार का कहना है, "कोई लड़का है, जो उसे काफी दिनों से परेशान कर रहा था, जिससे वो काफी डिप्रेशन में थी।"

हॉस्टल की ऑनर बोलीं- उसके माता-पिता बात नहीं कर रहे थे: हालांकि, हॉस्टल की ऑनर आभा सिंह ने बताया कि सोमवार रात खा-पीकर सो गई थी। आभा सिंह के मुताबिक, श्रुति ने अपने दोस्त से कहा था- 'मुझसे मेरे माता-पिता भी बात नहीं करते हैं।' ऑनर ने बताया, "यहां रहकर NEET की तैयारी करती थी। कोर्स समाप्त होने के बाद अपने गांव चली गई थी। 10 दिन पहले लौटी थी। बहुत शांत स्वभाव की थी।" घटना पत्रकार नगर थाना क्षेत्र के सचिवालय कॉलोनी रोड नंबर 2 A/26 की है।

किसी से बात करने के बाद रो रही थी: बगल के कमरे में रहने वाली छात्रा अंशु ने बताया, "श्रुति सुबह से दिखाई नहीं दे रही थी। जब उन्होंने उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला। दरवाजा धक्का देने पर खुल गया। अंदर श्रुति फंदे से लटकी हुई मिली।" अंशु के अनुसार, "वह पिछले कुछ दिनों से काफी परेशान लग रही थी। एक दिन वह रोते हुए किसी से फोन पर बात कर रही थी। बातचीत के बाद वह रोते हुए मेरे पास आई। उसने बताया कि उसका किसी लड़के से झगड़ा हो गया है।

वह उससे बात नहीं कर रहा है। हालांकि, उसने कभी उस लड़के का नाम नहीं बताया और मैंने भी उससे नाम नहीं पूछा। हमने उसे समझाया था कि इन बातों में ज्यादा न उलझे। अगर वह बहुत परेशान है, तो कुछ दिन के लिए घर चली जाओ। छात्रा ने इसी साल 12वीं की परीक्षा पास की थी और जल्द ही ग्रेजुएशन में दाखिला लेने वाली थी। उसने कभी NEET की तैयारी के बारे में भी नहीं बताया।

सहरसा में 400-500 वर्ष पुरानी दुर्लभ पांडुलिपियों की खोज, ज्ञान परंपरा का अनमोल खजाना मिला

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के 'ज्ञान भारतम मिशन' परियोजना के अंतर्गत अखिल भारतीय स्तर पर चल रहे पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के दौरान सहरसा जिला मुख्यालय से सटे कहरा ग्राम में अति प्राचीन और बहुमूल्य पांडुलिपियों का महत्वपूर्ण संग्रह प्राप्त हुआ है। जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार के निर्देशन में जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी श्रीमती स्नेहा झा के नेतृत्व में विशेषज्ञ दल द्वारा नगर निगम क्षेत्र से सटे कहरा गांव में विशेष सर्वेक्षण किया गया। इस दौरान अभय कांत ठाकुर के आवास से लगभग 400 से 500 वर्ष पुरानी ज्ञानवर्धक पांडुलिपियों का संग्रह किया गया। 75 वर्षीय अभय कांत ठाकुर, जो कृषि विभाग के सेवानिवृत्त निदेशक हैं और संगीत एवं संस्कृत भाषा के विद्वान भी हैं, ने बताया कि उनके परिवार में ज्ञान की परंपरा कई शताब्दियों से चली आ रही है। उन्होंने बताया कि उनके नाना बलराम झा और पिता भागवत झा द्वारा स्थापित पांडित्य परंपरा का साक्षात प्रमाण ये पांडुलिपियां हैं। उनके घर में हजारों पुस्तकों का संग्रह भी इस परंपरा की गहराई को दर्शाता है। महिषी स्थित उग्रतारा भारती मंडन संस्कृत महाविद्यालय के वेद संकाय प्रमुख एवं प्राचीन लिपि विशेषज्ञ डॉ. आनंद दत्त झा ने पांडुलिपियों का अवलोकन कर बताया कि ये ज्योतिष, वास्तु विज्ञान और वर्षकृत्य जैसे विषयों पर आधारित हैं।

संवेदनशील प्रशासन का उदाहरण: विकास और नवाचार को समर्पित जिलाधिकारी दीपेश कुमार

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: बिहार प्रशासनिक सेवा के तेजतर्रार और संवेदनशील अधिकारियों में शुमार सहरसा के जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार अपने कार्यों, नवाचारों और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता के लिए विशेष पहचान बना चुके हैं। वर्ष 2026 में उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ जिलाधिकारी' के रूप में सम्मानित किया जाना उनके उत्कृष्ट प्रशासनिक कार्यों का प्रमाण है। दीपेश कुमार का प्रशासनिक सफर चुनौतियों और उपलब्धियों से भरा रहा है। बिहार के औरंगाबाद जिले के देवकुंड में जन्मे दीपेश कुमार ने अपने करियर की शुरुआत विभिन्न प्रशासनिक दायित्वों के साथ की और अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने जनहित से जुड़े कई प्रभावशाली निर्णय लिए। झारखंड सहित विभिन्न जिलों में सेवा के दौरान उन्होंने सामाजिक परिस्थितियों, ग्रामीण जीवन और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को करीब से समझा, जिसका लाभ उन्हें सहरसा जैसे संवेदनशील जिले में कार्य करते समय मिला। जिलाधिकारी के रूप में दीपेश कुमार ने विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता दी है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, आपदा प्रबंधन और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विशेष रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों के संचालन और आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए उनके प्रयासों की सराहना की जाती है।

प्रखंडवार सहयोग शिविर में समस्याओं का त्वरित समाधान, प्रभारी मंत्री ने किया निरीक्षण

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिले के विभिन्न प्रखंडों में आम जनता से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आयोजित सहयोग शिविरों का निरीक्षण माननीय प्रभारी मंत्री एवं जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों द्वारा किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कुल पंद्रह चिन्हित स्थलों पर जिला स्तरीय पदाधिकारियों के नेतृत्व में शिविर आयोजित कर योजनाओं से संबंधित शिकायतों एवं समस्याओं का निपटारा किया गया तथा आवेदकों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। इस क्रम में शिक्षा मंत्री सह प्रभारी मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी, जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री हिमांशु कहरा मुरली वसंतपुर पंचायत स्थित पंचायत सरकार भवन में आयोजित शिविर में पहुंचे। यहां उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा प्रचार-प्रसार कार्यों की जानकारी ली। अपने संबोधन में प्रभारी मंत्री ने कहा कि सहयोग शिविर का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं से स्थानीय प्रशासन को अवगत कराएं, जिससे शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उक्त अवसर पर आम जनता को आयुष्मान योजना का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया गया। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि मुरली वसंतपुर शिविर में प्राप्त कुल 60 आवेदनों का निष्पादन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन सभी आवेदनों का निष्पादन निर्धारित 30 दिनों की समयसीमा के भीतर करने के लिए प्रतिबद्ध है, साथ ही प्रयास किया जा रहा है कि कार्य निर्धारित अवधि से पहले ही पूर्ण हो। इसके पश्चात प्रभारी मंत्री एवं अन्य अधिकारियों ने सिमरी बख्तियारपुर प्रखंड के उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय, बेलवारा में आयोजित शिविर का भी निरीक्षण किया। यहां प्रभारी मंत्री ने कहा कि बाढ़ एवं भूमि विवाद जैसी प्रमुख समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन निरंतर कार्य कर रहा है। इस शिविर में प्राप्त कुल 133 आवेदनों के निष्पादन की जानकारी भी दी गई। सहयोग शिविर के दौरान लाभुकों को उनके आवेदन के समाधान संबंधी प्रमाण पत्र वितरित किए गए। लाभ प्राप्त करने वालों में नितेश कुमार, कैलाश महतो, भरत महतो, इलियास मियां, कृष्णा कुमार, पूनम देवी, संजय पंडित, जयमाला देवी एवं ऊषा भारती सहित अन्य शामिल रहे। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा इस प्रकार के शिविर आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे।

6 अंचलों में लगा सहयोग शिविर, समस्या पर लोगों ने कहा- जलजमाव बड़ी परेशानी

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना नगर निगम के सभी छह अंचलों में आज सहयोग शिविर लगा है। लोगों की शिकायतें सुनकर समाधान किया जा रहा है। शिविर में लोगों का आना शुरू हो गया है। शिविर में पहुंचे लोगों ने कहा कि जलजमाव सबसे बड़ी परेशानी है। शिकायत की पर आश्वसन मिला, आज उम्मीद लेकर आया हूं। एक शख्स ने कहा कि मुझे हर महीने ब्लॉक दौड़ाया जाता है। वहीं, एक ने कहा कि चारों ओर गंदगी फैली रहती है।

वृद्धा पेंशन से जुड़ी समस्या है: शिविर में पहुंचे सुभाष प्रसाद ने कहा कि वृद्धा पेंशन से जुड़ी समस्या को लेकर हम लोग यहां आए हुए हैं। अगस्त में मैंने अप्लाई किया था, लेकिन अभी तक मुझे पेंशन नहीं मिला है। बैंक अकाउंट इनवेलिड बताया जा रहा है। मगर मेरा बैंक चालू है और उसका केवाईसी भी हो गया है।

दुर्गंध से हम परेशान हैं: पिरमुहानी के सुरेश कुमार सिंह ने कहा कि रोज जो सफाई होनी चाहिए वह हमारे वार्ड में नहीं होती है डोर टू डोर गाड़ियां भी कभी आती है और कभी नहीं आती है। चारों तरफ गंदगी फैली रहती है। दुर्गंध से हम लोग परेशान हैं।

कॉलोनी में पानी भर जाता है: शिवर में पहुंचे वार्ड नंबर-36 लालजी टोला से पहुंचे संजय कुमार ने कहा कि थोड़ी से बारिश होने पर घुटने भर कॉलोनी में पानी लग जाता है। जिससे हमलोगों को काफी परेशानी होती है। खासकर बच्चों को स्कूल आने-जाने में दिक्कत होती है।

लोगों की शिकायतों का निपटारा हो रहा- डिप्टी सीएम: उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी ने कहा कि यह निश्चित रूप से खुशी की बात है कि सहयोग शिविर में लोगों की शिकायतों का निपटारा हो रहा है। आज कई लोगों को प्रमाण पत्र भी दिए गए हैं। आवेदन प्राप्त होने के बाद उनका तत्काल निष्पादन किया गया और लोगों का काम पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान की यह व्यवस्था पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता दरबार के रूप में शुरू की थी। वर्तमान में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और इससे लोगों को राहत मिल रही है। बिहार में मानसून और संभावित बाढ़ की स्थिति पर उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है और पूरा तंत्र अलर्ट मोड में है। नेपाल में अधिक बारिश होती है तो उसका असर बिहार में बाढ़ के रूप में देखने को मिलता है। यह बिहार की भौगोलिक स्थिति से जुड़ी चुनौती है।

बिहार में लगेगा स्पोर्ट्स समर कैंप

लोकतंत्र की शान , पटना

फुटबॉल-बास्केटबॉल, मार्शल आर्ट सीखने का मिलेगा मौका, आज से रजिस्ट्रेशन शुरू

पटना में इस साल गर्मी छुट्टी में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा स्पोर्ट्स समर कैंप का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 8 जून से 20 जून तक पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में होगा। इसमें 7 से 14 साल के बालक-बालिकाएं भाग ले सकते है। आज से इसके लिए रजिस्ट्रेशन शुरू है, जो की 7 जून तक चलेगी। आज से पोर्टल को खोल दिया गया है। इस समर कैंप में हर दिन दो सेशन होगा। पहला सेशन सुबह 6 बजे से 8 बजे तक और दूसरा सेशन शाम में 6:30 बजे से 8 बजे तक होगा।

फुटबॉल-बास्केटबॉल के साथ मार्शल आर्ट सिखाया जाएगा : बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रन शंकरण ने कहा कि इस समर कैंप में बेसिक एक्सरसाइज, स्ट्रेंथ, कंडीशनिंग और अलग-अलग गेम के बारे में बच्चों को जानकारी दी जाएगी। इस समय कैंप का मुख्य उद्देश्य गर्मी छुट्टी के समय बच्चों का ज्यादा समय मोबाइल और टीवी पर न बीते, बल्कि वह स्पोर्ट्स एक्टिविटी में शामिल हो जाए। इस समर कैंप के माध्यम से बच्चों को फुटबॉल के बेसिक ड्रिबलिंग, बास्केटबॉल के बेसिक्स, एडवेंचरस स्पोर्ट्स के रूप में वॉल क्लाइबिंग, सेल्फ डिफेंस के रूप में मार्शल आर्ट्स जैसे की ताइक्वांडो के बेसिक सिखाए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि इसके अलावा बच्चों के साथ स्पोर्ट्स से जुड़े क्विज का भी आयोजन किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों के एक्टिव रहने और स्पोर्ट्स में रुचि लेना है। जितने भी बच्चे इसमें शामिल होंगे उन्हें बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से टीशर्ट रिफ्रेशमेंट और सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

बिहटा में दया दुबे गैंग का पर्दाफाश सरगना समेत 4 अपराधी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान , पटना

हथियार और मोबाइल बरामद

बिहटा पुलिस ने रंगदारी मांगने वाले दया दुबे गैंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंग के सरगना समेत चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक देसी कट्टा, एक पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान महुआर निवासी दया दुबे, लाई गांव निवासी ओम सिंह, रामतरी निवासी अभिषेक कुमार तथा रानीतालाब थाना क्षेत्र निवासी शिवम कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दया दुबे गैंग क्षेत्र में रंगदारी मांगने और आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने में सक्रिय था।

पटना पश्चिमी के सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान गैंग के सरगना दया दुबे सहित उसके सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देसी कट्टा, एक पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद हथियारों और कारतूसों को जब्त कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

रिश्ता बरकरार रखने के लिए तेजस्वी को वादा निभाना होगा

लोकतंत्र की शान , पटना

अख्तरुल ने विधान परिषद की एक सीट पर किया दावा, बोले- हमने नेता प्रतिपक्ष का साथ दिया था

AIMIM के बिहार प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अख्तरुल इमान ने विधान परिषद की एक सीट पर अपनी पार्टी का दावा जताया है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव के समय हमने तेजस्वी यादव की पार्टी ने सहयोग किया था और अब तेजस्वी यादव को अपना वादा पूरा करना चाहिए। अख्तरुल इमान ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के समय भी मेरी पार्टी एक सीट चाहती थी, लेकिन उस समय तेजस्वी यादव ने आगे मौका देने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि राज्यसभा के समय वह सीट हम चाहते थे, लेकिन तेजस्वी यादव ने कहा था कि आगे आप लोगों के लिए देखा जाएगा। अब तेजस्वी यादव को अपना वादा पूरा करना चाहिए। आगे भी कई चुनाव होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि AIMIM के पास उतनी संख्या नहीं है। जाहिर सी बात है कि सहयोग की जरूरत है। राज्यसभा चुनाव में हमने उनका साथ दिया था, लेकिन उनके ही कुछ लोग पीछे हट गए थे। हमने पूरी ईमानदारी के साथ उनका सहयोग किया था। अख्तरुल इमान ने कहा कि अगर वे चाहते हैं कि आने वाले दिनों में भी हमारा रिश्ता बना रहे तो उन्हें अपना वादा पूरा करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने राबड़ी देवी के आवास विवाद, मदरसा जांच और कानून व्यवस्था के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी।

राबड़ी देवी आवास में रहेंगी तो कयामत नहीं आएगी: राबड़ी देवी के सरकारी आवास को लेकर चल रहे विवाद पर उन्होंने कहा कि जो कानून में प्रावधान है उसी के अनुसार फैसला होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर दूसरे लोगों को आवास दिया जा सकता है तो राबड़ी देवी को भी दिया जाना चाहिए। जिस आवास में राबड़ी देवी अभी रह रही हैं वहां उनके रहने से कोई कयामत नहीं आने वाली है।

मदरसा जांच पर दिया समर्थन: राज्य सरकार की ओर से मदरसों की जांच कराने के फैसले पर अख्तरुल इमान ने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है। जांच होनी चाहिए। स्कूल और कॉलेजों की भी जांच होनी चाहिए। यह एक सामान्य प्रक्रिया है और पहले भी होती रही है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के 48 घंटे में न्याय मिलने वाले बयान पर उन्होंने सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि बिहार में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जिनमें 48 घंटे से ज्यादा समय बीत चुका है। क्या उन सभी मामलों में न्याय मिल गया है। हरे गमछे को लेकर चल रही राजनीतिक चर्चा पर अख्तरुल इमान ने कहा कि उनकी पार्टी का ध्यान विकास और जनता के मुद्दों पर है।

संक्षिप्त समाचार

नगरपालिका की लापरवाही बनी हादसों का कारण

गड्ढों में डाली चिकनी मिट्टी से फिसलकर घायल हुए कई लोग

लोकतंत्र की शान , मेड़ता रोड , एजाज़ अहमद उस्मानी। मेड़ता रोड कस्बे में सड़कों के गड्ढों की मरम्मत के नाम पर नगरपालिका द्वारा बरती गई लापरवाही अब आमजन के लिए परेशानी और हादसों का कारण बनती जा रही है। नगर के विभिन्न मार्गों पर गड्ढों को भरने के लिए बजरी, सीमेंट या अन्य उपयुक्त सामग्री की बजाय चिकनी मिट्टी डाल दी गई, जो मामूली बारिश होते ही कीचड़ में बदल गई। इससे सड़कें फिसलनभरी हो गईं और कई बच्चे, बुजुर्ग तथा बाइक सवार दुर्घटनाग्रस्त होकर चोटिल हो गए।स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगरपालिका ने बिना किसी तकनीकी मानक के गड्ढों में केवल मिट्टी डालकर औपचारिकता पूरी कर दी। हाल ही में हुई हल्की बारिश के बाद यह मिट्टी दलदल जैसी बन गई, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो गया। कई स्थानों पर दोपहिया वाहन चालक संतुलन खो बैठे और सड़क पर गिरकर घायल हो गए। वहीं स्कूल जाने वाले बच्चों और बुजुर्गों को भी फिसलकर चोटें आई हैं। नागरिकों का कहना है कि सड़क मरम्मत का कार्य जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए था, लेकिन नगरपालिका की लापरवाही ने समस्या को और गंभीर बना दिया। लोगों ने आरोप लगाया कि जिम्मेदार अधिकारियों ने कार्य की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया, जिसके चलते आमजन को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय नागरिकों ने नागौर जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत भेजकर पूरे मामले की जांच कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि यदि समय रहते उचित मरम्मत कार्य नहीं कराया गया तो भविष्य में बड़े हादसे भी हो सकते हैं। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि गड्ढों को वैज्ञानिक तरीके से भरकर सड़कों की तत्काल मरम्मत करवाई जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके और दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। फिलहाल नगरपालिका की कार्यशैली को लेकर लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है।

रोहतकः घरेलू कलह के चलते पत्नी की हत्या कर युवक मौके से फरार

लोकतंत्र की शान : रोहतक। गांव डोभ में घरेलू कलह के चलते एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की सिर पर डंडा मारकर हत्या कर दी। बाद में आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया है। पुलिस के अनुसार गांव डोभ में किराए के मकान में रहने वाले आजाद सिंह ने सोमवार की देर रात अपनी पत्नी जोशना के सिर में डंडा मारकर उसकी हत्या कर दी। घटना को अंजाम देकर वह मौके से फरार हो गया। घटना के वक्त घर पर उनके दो बच्चे थे। मंगलवार सुबह बच्चों की रोने की आवाज सुनकर पडोस घर गए तो उन्होंने देखा कि महिला का शव चारपाई पर पड़ा है। इसी बीच सुचना पाकर बहुअकबर पुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और उनके ब्यान दर्ज किये। पडोसियों ने बताया कि पति और पत्नी के बीच झगड़ा रहता था और इसी के चलते आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया है और इस संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

फरीदाबाद में नहर किनारे दिखा अजगर, मची अफरा-तफरी

लोकतंत्र की शान : फरीदाबाद। फरीदाबाद जिले में सोतई गांव के नजदीक मंगलवार को आगरा नहर के पास एक विशाल अजगर दिखाई देने से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अजगर काफी बड़ा था और उसकी लंबाई करीब 10 से 12 फुट आंकी गई। सूचना मिलने के बाद वन्य जीव विभाग को मामले की जानकारी दी गई, लेकिन टीम के मौके पर पहुंचने से पहले ही अजगर नहर की ओर बढ़ गया और पानी में उतर गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि मंगलवार दोपहर के समय नहर किनारे मौजूद लोगों की नजर अचानक अजगर पर पड़ी। देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। कई राहगीरों और वाहन ड्राइवरों ने भी अपने वाहन रोक लिए और कुछ लोगों ने घटना का वीडियो अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया। ग्रामीणों का कहना है कि आगरा नहर और उससे सटे इलाकों में समय-समय पर अजगर देखे जाते रहे हैं। गर्मी बढऩे के साथ जंगली जीव पानी और ठंडे स्थानों की तलाश में आबादी वाले क्षेत्रों के करीब पहुंच जाते हैं, जिससे लोगों की चिंता बढ़ जाती है। गौरतलब है कि इससे पहले भी शहर के कई इलाकों, जिनमें बीपीटीपी पुल, हरकेश नगर, पल्ला क्षेत्र और विभिन्न आवासीय सोसायटियां शामिल हैं, वहां अजगर मिलने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी वन्य जीव की मौजूदगी की सूचना तत्काल देने की अपील की है। वन्य एवं प्राणी विभाग के अधिकारी हंसराज ने बताया कि गर्मी के मौसम में ऐसे मामलों में बढ़ोतरी देखी जाती है। लोगों को सलाह दी गई है कि किसी भी जंगली जीव को देखने पर उसके करीब जाने की कोशिश न करें और तुरंत विभाग को सूचना दें।

एक्सपो प्लेटफार्म पर इंवेस्टमेंट के नाम पर एक करोड़ की ठगी : जोधपुर के कई लोग बने शिकार

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। शहर के कई लोग एक साथ ठगी का शिकार हो गए। ऑनलाइन एक्सपो प्लेटफ र्म पर इंवेस्टमेंट के नाम पर यह ठगी की गई। शातिरों ने सदस्यों को जोड़ा और तकरीबन एक करोड़ का फ्रॉड कर दिया। दो पीड़िताओं ने संयुक्त रिपोर्ट अब महामंदिर थाने में दी है। इनके द्वारा अपने कई परिचितों और रिश्तेदारों को जोड़ा गया था, जिन्होंने लाखों का इंवेस्ट कर दिया। ना तो मुनाफा मिल पाया और ना ही दी गई रकम वापिस मिल पाई। जिन लोगों को रिपोर्ट में नामजद किया गया है उनके खिलाफ शहर के नागौरी गेट थाने में भी प्रकरण कुछ दिनों पहले दर्ज हुआ था। वहीं प्रदेश के भरतपुर जिले में 43 लाख का फ्रॉड का पता लगा है। फिलहाल महामंदिर पुलिस ने रिपोर्ट पर अग्रिम जांच आरंभ की है। एएसआई किशोर सिंह ने बताया कि पावटा बी रोड लक्ष्मी नगर पुराना पोस्ट ऑफिस के पास रहने वाली सीमा राठी पत्नी राज राठी और मानसागर स्थित मुनि महाराज मंदिर के पास रहने वाली सीमा गहलोत पत्नी सुमेर सिंह कच्छवाह की तरफ से रजत शर्मा और विजय आर्या के खिलाफ फ्रॉड की रिपोर्ट दी गई है।इनका कहना है कि इन लोगों ने ऑनलाइन प्लेटफार्म एक्सपो वेबसाइट पर इंवेस्टमेंट के नाम पर साप्ताहिक और मासिक मुनाफे की बात कहते हुए इंवेस्ट करवाया था। सीमा राठी ने 1.30 लाख और सीमा गहलोत ने तकरीबन एक लाख का इंवेस्टमेंट किया था।इन्हें फायदे के लिए आगे सदस्य बनाने के लिए प्रलोभन दिया और बड़ा लाभांश देने की बात की थी। तब सीमा राठी ने अपने रिश्तदारों और परिचितों जिनमें पूनम, प्रियंका, अन्नू सहित दर्जन भर लोगों को सदस्य के तौर पर जोड़ा था। इन लोगों ने लाखों रूपए इंवेस्ट कर दिए। तकरीबन 74-75 लाख रूपए इनके द्वारा इंवेस्ट किए गए। इसी तरह सीमा गहलोत ने भी अपने रिश्तेदारों और परिचितों को जोड़ा और उनसे तकरीबन 13.50 लाख रूपए लिए गए। सारा तामझाम ऑनलाइन चलता रहा। शातिरों ने आखिर कार वेबसाइट को बंद कर दिया। ठगी के शिकार पीड़ितों ने महामंदिर थाने में रिपोर्ट दी।

मेहमानों के स्वागत में बिछाए पलक-पावड़े

लोकतंत्र की शान , राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनालः देवभूमि उत्तराखंड की पावन धरा ऋषिकेश में तीन जून से अखिल भारतीय महापौर परिषद के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शंखनाद होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए ऋषिकेश नगर निगम और स्थानीय प्रशासन ने सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। ऋषिकेश के नटराज होटल में आयोजित होने वाले इस वैचारिक महाकुंभ की अध्यक्षता अखिल भारतीय महापौर परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं करनाल (हरियाणा) की महापौर श्रीमती रेणु बाला गुप्ता करेंगी। सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया जाएगा।

तैयारियों में झलक रहा उत्साह-मंगलवार को अखिल भारतीय महापौर परिषद की अध्यक्ष रेणु बाला गुप्ता ने तैयारियों का जायजा लेते हुए कहा कि यह सम्मेलन देश के शहरी विकास के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि मैं हरियाणा की उस वीर धरा और दानवीर कर्ण की नगरी करनाल से देवभूमि की इस पवित्र भूमि पर एक विजन लेकर आई हूँ। जिस तरह मां गंगा सबको जीवन देती हैं, उसी तरह हमारे समस्त नगर निगमों को भी जन-सेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा।

महापौर ने बताया कि सम्मेलन के लिए देशभर के लगभग 60 शहरों के महापौर ऋषिकेश पहुंच रहे हैं। करनाल की तर्ज पर अन्य शहरों में भी 'स्मार्ट सिटी' और 'स्वच्छता' के बेहतरीन मॉडल कैसे लागू हों जैसे बहुआयामी विषयों पर मेयर रेणु बाला गुप्ता विशेष रूप से अपने अनुभव साझा करेंगी।

लोक-संस्कृति का दिखेगा रंग-सम्मेलन के लिए ऋषिकेश नगर निगम द्वारा आयोजन स्थल और प्रमुख चौराहों को विशेष रूप से सजाया गया है। दो दिन तक चलने वाले इस सम्मेलन में मुख्य रूप से तीन सत्र आयोजित होंगे, जिनमें स्मार्ट सिटी परियोजनाओं, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और नगर निकायों के सामने आने वाली वित्तीय चुनौतियों पर देश के शीर्ष प्रतिनिधि मंथन करेंगे।

आरती में शामिल होंगे प्रतिभागी-आयोजन से जुड़े विशेष आकर्षण के रूप में सभी अतिथि महापौर त्रिवेणी घाट पर होने वाली भव्य गंगा आरती में सम्मिलित होंगे। इसके साथ ही उत्तराखंड की समृद्ध लोक-संस्कृति और पारंपरिक कार्यक्रमों के माध्यम से मेहमानों का स्वागत किया जाएगा। सम्मेलन के समापन सत्र में सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत और कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा की उपस्थिति विशेष रहेगी।

विश्व मांगल्य सभा की सदाचार सभा संपन्न संस्कार एवं संस्कृति संरक्षण पर हुआ मंथन

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। विश्व मांगल्य सभा की मासिक सदाचार सभा का आयोजन 1 जून 2026 को श्री साईं महाविद्यालय परिसर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कार्यकारिणी सदस्यों के साथ नई महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभा में भारतीय संस्कारों, संस्कृति, स्वास्थ्य, अध्यात्म और सामाजिक मूल्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश्वर आराधना एवं भजन से हुआ, जिसे सीमा सिंह ने प्रस्तुत किया। दीप प्रज्वलन के पश्चात अजीता द्विवेदी द्वारा शक्तिगान प्रस्तुत किया गया। जिला अध्यक्ष रचना मिश्रा ने पंचश्लोक का वाचन कर उसके भावार्थ को सरल एवं प्रभावी ढंग से उपस्थित महिलाओं के समक्ष रखा। सभा के दौरान सहसचिव आरती सिंह ने योग एवं प्राणायाम सत्र का संचालन करते हुए महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर उपयोगी सुझाव दिए। इसके बाद शशि गौतम ने स्वाध्याय विषय के अंतर्गत जगतमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन, साहस, त्याग और लोककल्याणकारी कार्यों पर प्रकाश डाला। इस विषय पर महिलाओं ने अपने विचार साझा करते हुए प्रेरणादायक चर्चा की।

C और E पीडब्ल्यूडी विभाग के कारनामे सागर छतरपुर

» भ्रष्टाचारों के चलते इन पर जांच चल रही है इसके बावजूद पद पर बने हुए हैं इससे बड़ीदुर्भाग्य की और क्या हो सकती है

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ,जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

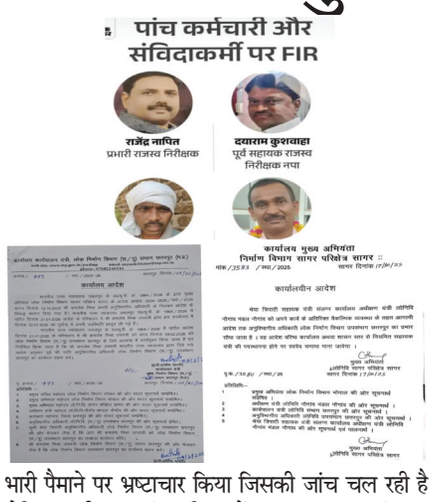

जानकारी अनुसार यह विभागीय अधिकारी लाइन अटैच है फिर मुख्य कार्यालय सागर में उसे जिले का प्रभारी कैसे बनाया गया जिसकी विभागीय जांच चल रही है और जो संभागीय पीडब्ल्यूडी के अधिकारी सी है इनकी मिली भगत से ऐसे कई वैधानिक कार्य किया गया जो अपने पद का दुरुपयोग किया है और कई तरह के भ्रष्टाचारों केआप पर जांच चल रही है इसके बाद भी यह अपने पद पर बने हुए हैं यह बड़ी दुर्भाग्य की बात है और नहीं तो क्या है प्रशासनिक विभाग(शासन) इस जांच पर क्या कार्रवाई करता है इसकी जनता को बहुत अपेक्षा है भ्रष्टाचार चरम सीमा पार करके शासन की बिल्डिंग को प्राइवेट के हाथ बेच दिया गया यह इससे बड़ी धोखाधड़ी करने वाला चीफ इंजीनियर सी सी पी सिंह और आशीष भारती Eहै इसके अलावा इस विभाग मेंऔर कई अधिकारी गण इसमें सम्मिलित पाए गए जिनको सस्पेंड किया गया और उन्होंने भारी पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जिसकी जांच चल रही है लेकिन अभी तक जांच प्रक्रिया में क्या हुआ इसका इंतजार है ऐसे भ्रष्ट कर्मचारियों को पद पर बने रहना यह दुर्भाग्यपूर्ण है प्रशासन से जनता यह मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव से अपेक्षा करती है कि इस पर कार्यवाही कर दोषी पूर्ण को कड़ी से कड़ी सजा चाहता है कि इसके ऊपर तत्काल कड़ी कार्रवाई करने पद से पृथक किया जाना चाहिए

चुरहट में बिजली व्यवस्था चरमराई, जेई की मनमानी से व्यापारी आक्रोशित

» रहवासियों ने कलेक्टर का कराया ध्यान आकृष्ट

» शिकायत के बाद भी नहीं उठाए गए ठोस कदम

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में बिजली कटौती पर लगाम नहीं लग पा रहा है, विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा शिकायत के बाद भी सुधार को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि एक ओर राज्य सरकार द्वारा 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के दावे किए जा रहे हैं, वहीं चुरहट विद्युत मंडल की लचर व्यवस्था ने इन दावों की पोल खोल दी है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों का आरोप है कि चुरहट क्षेत्र में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से अव्यवस्थित हो गई है और जिम्मेदार अधिकारी मनमानी पर उतर आए हैं। बताया जा रहा है कि चुरहट के जेई अमित राज के कार्यकाल में बिजली की आंख-मिचौली आम बात हो गई है। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिनभर में कई बार बिजली कटौती की जा रही है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि शासन स्तर से 24 घंटे बिजली देने की घोषणा की गई थी, लेकिन हकीकत में लोगों को मुश्किल से 10 से 12 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। व्यापारियों में इसको लेकर खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है। उनका कहना है कि लगातार बिजली आने-जाने से उनके उपकरण खराब हो रहे हैं। पंखे, कूलर और बल्ब बार-बार जल जा रहे हैं, जिससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। गर्मी के इस मौसम में बिजली कटौती ने स्थिति और भी बदतर कर दी है। स्थानीय व्यापारियों ने सवाल उठाया है कि आखिर इस नुकसान की भरपाई कौन करेगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द बिजली व्यवस्था में सुधार किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए, अन्यथा उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

एक मंच, सीधा समाधानः कटनी नगर निगम में आयोजित हुई महापौर जनसुनवाई

» महापौर ने संवेदनशीलता से सुनीं नागरिकों की समस्याएं, त्वरित निराकरण हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। नगर निगम के मेयर इन काउंसिल सभागार में मंगलवार को आयोजित महापौर जनसुनवाई एक बार फिर नागरिकों के लिए राहत और विश्वास का केंद्र बनी। प्रातः 11 बजे से प्रारंभ हुई जनसुनवाई में शहर के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं एवं मांगें लेकर पहुंचे। इस दौरान निगम की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी एक ही स्थान पर उपस्थित रहे, जिससे नागरिकों को अलग-अलग शाखाओं के चक्कर नहीं लगाने पड़े तथा कई मामलों का मौके पर ही निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

नागरिकों की समस्याओं पर गंभीरता से हुई सुनवाई-

जनसुनवाई के दौरान महापौर श्रीमती सूरी ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने पेयजल, सफाई, सड़क, प्रकाश व्यवस्था, राजस्व एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए। महापौर ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए।

दिव्यांग नागरिक की समस्या सुनने स्वयं पहुंचीं महापौर-जनसुनवाई के दौरान वेंकट वार्ड से आए दिव्यांग नागरिक अजय निषाद शारीरिक असुविधा के कारण सभागार तक नहीं पहुंच सके। इसकी जानकारी मिलते ही महापौर स्वयं नीचे पहुंचीं और उनसे मुलाकात कर उनकी समस्या को गंभीरता से सुना। श्री निषाद द्वारा राशन पर्ची में नाम दर्ज कराए जाने संबंधी शिकायत प्रस्तुत की गई, जिस पर मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अधिकारियों द्वारा प्रकरण का त्वरित संज्ञान लेते हुए निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। महापौर ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायतें प्राप्त करना नहीं, बल्कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, प्रभावी एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना है। नगर निगम प्रशासन आमजन की सुविधा एवं विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रहा है तथा प्रत्येक शिकायत के निराकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयासरत है। उन्होंने नागरिकों से भी नगर विकास, स्वच्छता एवं जनहित से जुड़े कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी दिनांक 5/6/2026 को जशने ईद ए गदीर के कार्यक्रम

लोकतंत्र किशान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। इमाम बारगाह खानकाह ए चिश्तीया साबरीया फ़खरीया मार्गदर्शन में - प्रति वर्ष के अनुसार इस वर्ष भी दिनांक 5/6/2026 को जशने ईद ए गदीर के कार्यक्रम की सूचना को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आप के समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाता रहा है आपके शुक्रगुजार है इस वर्ष भी हर वर्ष की भांती इस वर्ष भी ईशवरी पुरा वार्ड डा. पाठक गली इमाम चौक के पास स्थित इमाम बारगाह खानकाह ए चिश्तीया साबरीया फ़खरीया में दिनांक 5/6/2026 को रात्रि 9 बजे से समाजिक प्रवचन तथा समाज में वार्षिक परीक्षा में अच्छे प्रतिशत से अंक लाने वाले एवं समाज के डाक्टर वकील आदि बनने वाले यों और लड़को को ईद ए गदीर सम्मान पत्र दिया जाना है और साथ में कव्वाली का कार्यक्रम रखा गया है उक्तजानकारी मोहम्मदयाकूब उर्फ़हाजीपापा खादिम खानकाह ए चीश्तीयासाबरीया ,फकरिया.

चोरी के अंदेशा में युवक की डंडा से बेरहमी से पिटाई

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। चोरी के अंदेशा में एक युवक की डंडा से काफी बेरहमी से पिटाई की गई। घायल होने पर उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। तत्संबंध में घायल आदित्य यादव पिता रामखेलावन यादव उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम खाम्ह थाना मझौली ने बताया कि घर से बाहर मजदूरी का काम करता हूं। जनवरी 2026 से घर पर रहता हूं। अभी 29 मई को गांव में किराना की दुकान से साबुन लेकर लौट रहा था। दोपहर करीब 12 बजे राघवेन्द्र मिश्रा उर्फ मानु मिश्रा ने चोरी के संदेह में अपने पास बुलाया और गाली-गलौच शुरू कर दी। मना करने पर उनके द्वारा डंडा से मारपीट काफी बेरहमी से शुरू कर दी गई। हो-हल्ला मचाने पर लोगों ने बीच-बचाव किया। आरोपी जाते समय धमकी दिया कि दुबारा मिला तो जान से खत्म कर देंगे। मारपीट में आदित्य यादव के हांथ, पैर एवं सिर में दाहिने तरफ चोंटे आई हैं। मझौली थाना में आरोपी के विरुद्ध धारा 296(बी), 115(2), 351(3) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

नागौर में ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल से मारपीट

» दांतों से काटकर किया घायल, दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

लोकतंत्र की शान

मेड़ता रोड ,एजाज़ अहमद उस्मानी। नागौर शहर में यातायात व्यवस्था संभाल रहे एक पुलिसकर्मी के साथ मारपीट और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हेड कांस्टेबल कैलाश पुत्र मदनराम जाट (47), निवासी रूपासर ईनाणा, थाना मूंडवा, वर्तमान में यातायात थाना नागौर में कार्यरत हैं। उन्होंने रिपोर्ट में बताया कि उनकी ड्यूटी गांधी चौक पर यातायात व्यवस्था में लगी हुई थी और वे राजकीय कार्य का निर्वहन कर रहे थे। इसी दौरान एक पिकअप वाहन, जिसके शीशे काले थे तथा आगे लोहे का बंपर लगा हुआ था, वहां से गुजर रहा था। संदेह होने पर पुलिसकर्मी ने वाहन को रुकवाकर जांच की। वाहन का नंबर आरजे-07 जीडी 9121 बताया गया है। जांच के दौरान चालक देवेन्द्रनाथ सिद्ध तथा उसके साथ मौजूद गणेशनाथ सिद्ध से वाहन के कागजात मांगे गए, लेकिन वे दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। रिपोर्ट के अनुसार इसी दौरान दोनों आरोपी वाहन को यातायात थाने ले जाने के बजाय हेड कांस्टेबल को जबरन अपने साथ वाहन में बैठाकर बीकानेर रोड स्थित पुराने अस्पताल की ओर ले गए। वहां आरोपियों ने पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान हेड कांस्टेबल के हाथ और कलाई पर दांतों से काटकर चोट पहुंचाई गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस थाना कोतवाली, नागौर में प्रकरण संख्या 183/2026 दर्ज किया है। आरोपियों के खिलाफ बीएनएस 2023 की धारा 121(1), 132, 127(2), 140(3) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है तथा आरोपियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद पुलिस महकमे में भी रोष व्याप्त है, क्योंकि ड्यूटी के दौरान सरकारी कर्मचारी के साथ इस प्रकार की घटना को गंभीर अपराध माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सीमा विवाद पर नेपाल के प्रधानमंत्री के विवादित बयान पर पार्टी में मतभेद, मुश्किल में आरएसपी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के उस विवादित बयान को लेकर सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के भीतर मतभेद उभरकर सामने आए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि नेपाल ने भी भारतीय क्षेत्र पर अतिक्रमण किया है। पार्टी के एक वर्ग ने इस बयान को वापस लेने और संसद में राष्ट्र से माफी मांगने की वकालत की है। आरएसपी के कई वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि प्रधानमंत्री को अपना बयान वापस लेकर संसद के माध्यम से देश से क्षमा मांगनी चाहिए। वहीं प्रधानमंत्री के निकट माने जाने वाले नेताओं का एक अन्य समूह इस कदम के पक्ष में नहीं है। रविवार को प्रतिनिधि सभा में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए बयान के बाद विपक्षी दलों की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई थी और भारत-नेपाल सीमा विवाद के मुद्दे पर नई बहस शुरू हो गई थी। इसी के बाद पार्टी के भीतर यह विवाद उभरकर सामने आया। सूत्रों के मुताबिक, आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने ने पार्टी नेताओं को निर्देश दिया है कि जब तक पार्टी की आधिकारिक धारणा तय नहीं हो जाती, तब तक वे इस मुद्दे पर सार्वजनिक टिप्पणी न करें। हालांकि इस निर्देश के बावजूद पार्टी की सांसद रज्जु दर्शना और सांसद आशिका तामाङ सहित कुछ नेताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री के बयान पर असहमति जताई है। आरएसपी सांसद एवं अधिवक्ता यज्ञमणि न्यौपाने ने सीमा संबंधी विषयों पर चर्चा करते समय विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत संवेदनशील मुद्दा है। प्रधानमंत्री की मंशा का बचाव करते हुए उन्होंने संकेत दिया कि संभवतः यह टिप्पणी पर्याप्त तैयारी के बिना कर दी गई थी। न्यौपाने ने कहा, "प्रधानमंत्री का आशय शायद बिल्कुल वही बात कहने का नहीं था।

यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई स्थानों पर रूसी हवाई हमला, 10 की मौत, 100 घायल

कीव (यूक्रेन)। रूस ने सोमवार रात से लेकर मंगलवार सुबह तक यूक्रेन की राजधानी कीव पर देश के अन्य हिस्सों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। इन हमलों में कम से कम 10 लोग मारे गए और 100 से ज्यादा घायल हो गए। हमलों में कीव में चार और सेंट्रल शहर नीप्रो में छह लोगों की जान चली गई। रूस ने मिसाइल और ड्रोन से राजधानी को निशाना बनाया। हमले में अनेक रिहायशी और वाणिज्यिक इमारतों को नुकसान पहुंचा। आग लगने से कई कारें जल गईं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने बताया कि रूस ने बैलिस्टिक मिसाइल हमले की चेतावनी दी। इसके कुछ देर बाद राजधानी कीव में लगातार कई धमाके हुए। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि यह बहुत बड़ा हमला है। क्लिट्स्को के मुताबिक, पोडिल्स्की जिले में एक बहुमंजिला इमारत के मलबे में लोग अभी भी फंसे हुए हैं। कीव शहर के मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख टिमुर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर लिखा, "शुरुआती रिपोर्ट से पता चलता है कि मलबे में कुछ लोग फंसे हुए हैं।" कीव के रीजनल गवर्नर, मायकोला कलाश्निक ने कहा, "पूरी रात दुश्मन ने ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल करके कीव इलाके पर बड़े हमले किए। हमारे शांत कस्बों और गांवों पर एक बार फिर हमला हुआ।" यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को दिन में नागरिकों को एक संभावित "बड़े" रूसी हमले की चेतावनी दी थी। रूसी हमले तब हुए जब यूक्रेन ने रूसी तेल एसेट्स पर हमले बढ़ा दिए हैं। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेन ने इस साल अब तक 15 रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमला किया है।

मंत्री वीरेंद्र कुमार बुधवार को करेंगे 'आकांक्षा से उपलब्धि तक' प्रदर्शनी का उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार बुधवार को अनुसूचित जाति, उपजातीय उद्यमियों और नवप्रवर्तकों की सफलता की कहानियों को प्रदर्शित करने वाली "आकांक्षा से उपलब्धि तक" प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। मंत्रालय के अनुसार दिल्ली में "आकांक्षा से उपलब्धि तकः उद्यमियों और नवप्रवर्तकों की सफलता की कहानियां" शीर्षक वाली पुस्तिका का विमोचन किया जाएगा। इस दौरान वेंचर कैपिटल फंड और एएसआईआईएम की पहलों के प्रभाव को उजागर करने वाले संकलन का अनावरण भी किया जाएगा। इस पुस्तिका में अनुसूचित जाति उद्यम पूंजी कोष, पिछड़ा वर्ग उद्यम पूंजी कोष और अंबेडकर सामाजिक नवाचार एवं ऊष्मायन

मिशन (एएसआईआईएम) के तहत समर्थित उद्यमियों और नवप्रवर्तकों की प्रेरक कहानियां प्रस्तुत की गई हैं। इसमें उन लाभार्थियों की परिवर्तनकारी यात्राओं का वर्णन है जिन्होंने वित्तीय सहायता, ऊष्मायन सहायता और संस्थागत सहयोग का लाभ उठाकर सफल उद्यम स्थापित किए, रोजगार के अवसर सृजित किए और आर्थिक विकास में योगदान दिया। इस मौके पर मंत्रालय के राज्यमंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सचिव, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और आईएफसीआई वेंचर कैपिटल फंड्स लिमिटेड के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। इस आयोजन से उद्यमिता-आधारित सशक्तीकरण के सफल मॉडलों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच मिलने और देशभर के महत्वाकांक्षी उद्यमियों को प्रेरित करने की उम्मीद है।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए आवेदन शुरू, 31 जुलाई अंतिम तिथि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) 2026 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। इसके लिए आवेदन और नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 है। यह पुरस्कार उन बच्चों को दिया जाता है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है। पांच से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे (31 जुलाई 2026 तक) इसके लिए पात्र हैं। किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा नामांकन किया जा सकता है, जबकि बच्चे स्वयं भी आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार छह श्रेणियों में दिए जाएंगे जिसमें बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शामिल है। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन के लिए नाम, जन्म तिथि, आधार संख्या, मोबाइल नंबर और ई-मेल जैसी जानकारी देनी होगी। आवेदक को उपलब्ध नामांकन सूची में "प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026" का चयन कर संबंधित श्रेणी में आवेदन करना होगा। आवेदन पत्र के साथ उपलब्धि और उसके प्रभाव का अधिकतम 1000 शब्दों का विवरण, आवश्यक प्रमाण-पत्र तथा हाल का फोटो अपलोड करना अनिवार्य है। मंत्रालय ने अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से अपील की है कि वे योग्य और प्रतिभाशाली बच्चों को इस सम्मान के लिए आवेदन करने या नामांकित कराने में सहयोग करें।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में पालघर में तीसरी पर्वतीय सुरंग में आरपार खुदाई का काम पूरा

नई दिल्ली। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत महाराष्ट्र के पालघर जिले में तीसरी पर्वतीय सुरंग के आर-पार खुदाई पूरी कर ली गई है। महाराष्ट्र के पालघर जिले के दहाणू तालुका के अंबेसरी गांव में स्थित 417 मीटर लंबी इस सुरंग के पूरा होने के साथ ही पिछले पांच महीनों में महाराष्ट्र में तीन पर्वतीय सुरंगों का उत्खनन कार्य पूरा हो गया। राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अनुसार यह सुरंग 14.4 मीटर चौड़ी है और इसे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की अप तथा डाउन दोनों पटरियों को चलाने के लिए तैयार किया गया है। सुरंग की खुदाई दोनों सिरों से नियंत्रित ड्रिलिंग एवं ब्लास्टिंग तकनीक के जरिए की गई। एनएचएसआरसीएल ने बताया कि निर्माण के दौरान संरचनात्मक स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक निगरानी प्रणालियों तथा भू-तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया गया। खुदाई के समय कंपन, सुरंग के व्यवहार और आसपास की संरचनाओं पर प्रभाव की निगरानी के लिए सरफेस सेटलमेंट प्वाइंट, त्रि-आयामी (3डी) लक्ष्य, स्ट्रेन गेज और सीस्मोग्राफ सहित विभिन्न रियल-टाइम मॉनिटरिंग प्रणालियां स्थापित की गई थीं। सुरंग के भीतर कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए।

इबोला से निपटने के लिए अफ्रीका सीडीसी को भेजी 43 टन चिकित्सा सहायता

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने अफ्रीकी संघ आयोग के अनुरोध पर इबोला और इससे होने वाले संक्रमण से निपटने में सहायता के लिए अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) को मंगलवार को 43 टन चिकित्सा सहायता की दूसरी खेप भेज दी। अफ्रीकी संघ आयोग के अनुरोध पर भेजी गई इस सहायता में सुरक्षात्मक उपकरण, निदान एवं निगरानी उपकरण, नमूना परिवहन किट, संक्रमण रोकथाम सामग्री, दवाएं और पूरक सामग्री शामिल हैं। यह खेप युगांडा की राजधानी कंपाला पहुंचने पर अफ्रीका सीडीसी को सौंपी जाएगी।

विदेश मंत्रालय ने आज बताया कि चिकित्सा सहायता की यह खेप मंगलवार को रवाना की गई है और इसके कंपाला पहुंचने के बाद अफ्रीका सीडीसी को सौंप दिया जाएगा। यह सहायता अफ्रीकी संघ के सदस्य देशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों को सुदृढ़ करने तथा इबोला संक्रमण से निपटने की क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से भेजी गई है। दूसरी खेप में स्वास्थ्यकर्मियों और चिकित्सा संस्थानों के लिए आवश्यक विभिन्न उपकरणों और सामग्रियों को शामिल किया गया है, जिनका उपयोग इबोला संक्रमण की पहचान, निगरानी और रोकथाम में किया जाएगा।

मंत्रालय ने बताया कि भारत ने अफ्रीका सीडीसी को चिकित्सा सहायता की पहली खेप 24 मई को भेजी थी। युगांडा की राजधानी कंपाला पहुंची इस खेप में लगभग 2.5 टन तत्काल चिकित्सा सामग्री शामिल थी। इसमें व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण, चिकित्सा निगरानी उपकरण और आवश्यक दवाएं भेजी गई थीं। मंत्रालय के अनुसार, दोनों चरणों में भेजी गई चिकित्सा सहायता का उपयोग अफ्रीका सीडीसी के माध्यम से इबोला प्रभावित क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा और युगांडा की राजधानी कंपाला स्थित भारतीय मिशन अफ्रीकी संघ आयोग तथा अफ्रीका सीडीसी के साथ समन्वय में कार्य कर रहे हैं। चिकित्सा सहायता की आपूर्ति और वितरण से संबंधित गतिविधियों में भी भारतीय मिशन सहयोग कर रहे हैं।

मप्र के धार स्थित भोजशाला में बनेगा भव्य सरस्वती लोक और भोज शोध संस्थान

एजेंसी, भोपाल

- राजा भोज की कर्मस्थली धार में होगी भोज शोध संस्थान की स्थापना, मुख्यमंत्री ने कैबिनेट की बैठक में दी जानकारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धार स्थित भोजशाला परिसर में राज्य सरकार भव्य सरस्वती लोक बनाएगी, यहां राजा भोज शोध संस्थान की स्थापना भी की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोजशाला के लिए आंदोलन में शहादत देने वाले शहीदों के परिजन को सरकार आर्थिक सहायता देगी।

यह बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को कैबिनेट की बैठक से पहले अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि राजा भोजपाल द्वारा स्थापित यह भोजशाला सदियों तक ज्ञान-विज्ञान-अनुसंधान और संस्कृत भाषा का सबसे प्रखर केन्द्र रहा है। यहां दूर-दूर से विद्यार्थी और विद्वान ज्ञान अर्जित करने और शास्त्रों पर विमर्श करने आते थे। राज्य सरकार भोजशाला के उसी गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने के लिए सभी जरूरी प्रयास करेगी। राजा भोज की कर्मस्थली धार में राजा भोज शोध संस्थान की भी स्थापना की जायेगी। भोजशाला के लिए हुए आंदोलन में शहादत देने वाले तीन शहीदों स्व. बनसिंह, स्व. अंतरसिंह एवं स्व. लक्ष्मण सिंह के निकटतम परिजन को राज्य सरकार की ओर से 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 26 मई 2026 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र सेवा के सफल 12 वर्ष पूर्ण हुए हैं। देशवासियों की आशा के प्रतीक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विगत 12 वर्षों में भारत ने विकास के साथ आत्मनिर्भरता, सुरक्षा, सांस्कृतिक गौरव, डिजिटल क्रांति और वैश्विक नेतृत्व के नए आयाम स्थापित किए हैं।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन से दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति ने की मुलाकात

एजेंसी, नई दिल्ली

सीपी राधाकृष्णन और दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति शिपोकोसा पॉलस माशातिले से मंगलवार को यहां उपराष्ट्रपति भवन में द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, कौशल विकास और लोगों के बीच संपर्क को और मजबूत बनाने पर जोर देते हुए भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों को नई गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

उपराष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आर्थिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। इस दौरान उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भारत और दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (सैकू) के बीच प्रस्तावित वरीयता व्यापार समझौते का उल्लेख करते हुए इसके लिए जल्द वार्ता शुरू होने और सफल निष्कर्ष तक पहुंचने की आशा व्यक्त की। दोनों पक्षों ने ब्रिक्स, जी-20, इब्सा और हिंद महासागर रिम संघ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को और मजबूत करने तथा वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया। बैठक में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग का स्वागत किया गया। दोनों देशों ने भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की भागीदारी वाले आईबीएसएएमएआर नौसैनिक अभ्यास के आगामी संस्करणों के माध्यम से सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई।

चेन्नई बंदरगाह में गैस रिसाव से अफरा-तफरी सचिवालय और हाई कोर्ट क्षेत्र तक पहुंचा असर

एजेंसी, नई दिल्ली

चेन्नई। चेन्नई बंदरगाह क्षेत्र में मंगलवार को हुए गैस रिसाव के कारण आसपास के इलाकों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गैस के प्रभाव से वातावरण में धुंध और धुएं जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे लोगों को सांस लेने में दिक्कत, खांसी, आंखों में जलन, मतली और बेचैनी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा। हालांकि, राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की आग नहीं लगी और प्रशासन ने समय रहते स्थिति को नियंत्रण में ले लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चेन्नई बंदरगाह परिसर में रखे एक कंटेनर से सल्फर गैस का रिसाव हुआ। कुछ प्रारंभिक रिपोर्टों में यह भी बताया गया कि अत्यधिक गर्मी के कारण बंदरगाह में संग्रहित सल्फर पदार्थ में रासायनिक प्रतिक्रिया हुई, जिसके चलते गैस वातावरण में फैल गई। गैस तेजी से हवा के साथ आसपास के क्षेत्रों तक पहुंच गई, जिससे लोगों में चिंता और घबराहट का माहौल बन गया। दोपहर करीब 12:15 बजे तमिलनाडु सचिवालय के आसपास अचानक धुंध और धुएं जैसी स्थिति दिखाई देने लगी। सचिवालय आने-जाने वाले नागरिकों, सरकारी कर्मचारियों और सड़क से गुजर रहे वाहन चालकों को सांस लेने में परेशानी महसूस हुई। कई लोगों ने आंखों में जलन और लगातार खांसी की शिकायत की। गैस रिसाव का असर केवल बंदरगाह क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। इसका प्रभाव सचिवालय परिसर, भारतीय रिजर्व बैंक के चेन्नई कार्यालय और मद्रास उच्च न्यायालय के आसपास के क्षेत्रों में भी महसूस किया गया। इन इलाकों में मौजूद लोगों को स्वास्थ्य संबंधी असुविधाओं का सामना करना पड़ा, जिससे कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही चेन्नई बंदरगाह प्रशासन, दमकल विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियां सक्रिय हो गईं। बंदरगाह कर्मियों ने रिसाव के स्रोत की पहचान कर उसे नियंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू की, जबकि दमकल विभाग ने सुरक्षा उपायों के साथ गैस के फैलाव को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया। बंदरगाह प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में अत्यधिक गर्मी के कारण रासायनिक परिवर्तन होने की संभावना सामने आई है। हालांकि गैस रिसाव के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जाएगी।

इस बीच तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कहा कि गैस हवा में मिलकर काफी हद तक फैल चुकी है और बड़े स्तर पर किसी गंभीर नुकसान की आशंका नहीं है। बोर्ड ने नागरिकों से घबराने के बजाय सतर्क रहने और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने की अपील की। करीब एक घंटे तक चले राहत एवं नियंत्रण अभियान के बाद दमकल विभाग ने गैस रिसाव को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया। इसके बाद प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति सामान्य होने लगी और यातायात तथा अन्य गतिविधियां धीरे-धीरे बहाल कर दी गईं।

एलयूसीसी चिटफंड घोटाला: सीबीआई ने दो मुख्य आरोपितों को मुंबई से गिरफ्तार किया

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तराखंड के चर्चित एलयूसीसी चिटफंड घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए इसके दो कथित मास्टरमाइंड किशन जैन और पंकज जैन उर्फ पंकज चौधरी को मुंबई से गिरफ्तार किया। दोनों पर आरोप है कि इन्होंने अन्य लोगों के साथ मिलकर एलयूसीसी की अनियमित जमा योजनाओं के माध्यम से निवेशकों से जुटाई गई राशि के संग्रह, संचालन, हेराफेरी और गबन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सीबीआई ने मंगलवार को बताया कि दोनों आरोपितों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी वित्तीय अभिलेखों के विस्तृत विश्लेषण, बैंक लेनदेन की जांच, मौखिक साक्ष्यों के संकलन और देश के विभिन्न राज्यों में किए गए व्यापक अन्वेषण के बाद हुई। ट्रांजिट रिमांड प्राप्त करने के बाद दोनों आरोपितों को देहरादून स्थित बड्स अधिनियम अदालत में पेश किया जाएगा।

एजेंसी के अनुसार मामला उत्तराखंड उच्च न्यायालय के 17 सितंबर 2025 के आदेश के अनुपालन में सीबीआई द्वारा 26 नवंबर 2025 को दर्ज किया गया था। सीबीआई ने उत्तराखंड पुलिस द्वारा दर्ज 18 प्राथमिकी अपने हाथ में लेकर एलयूसीसी (लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी) के पदाधिकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, भारतीय न्याय संहिता, उत्तराखंड जमाकर्ता हित संरक्षण अधिनियम तथा अनियमित जमा योजनाएं प्रतिबंध अधिनियम (बड्स अधिनियम) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। सीबीआई ने बताया कि यह मामला जनता से अवैध रूप से जमा राशि एकत्र करने, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, आपराधिक साजिश, अनियमित जमा योजनाओं के संचालन और धन के दुरुपयोग से संबंधित है। जांच में सामने आया कि उत्तराखंड में एक लाख से अधिक निवेशकों को एलयूसीसी की विभिन्न अनियमित जमा योजनाओं में निवेश के लिए प्रलोभन दिया गया। इन निवेशकों द्वारा जमा की गई कुल राशि लगभग 800 करोड़ रुपये आंकी गई है।

सीबीआई के अनुसार, जांच में दोनों गिरफ्तार आरोपितों की बड़ी साजिश में संलिप्तता के साक्ष्य मिले हैं। वे लाखों निवेशकों से जुटाई गई राशि के हस्तांतरण, प्रबंधन और उपयोग से जुड़े नेटवर्क का अहम हिस्सा थे। इससे पहले सीबीआई ने 12 एवं 13 मई को पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया था, जिनमें एलयूसीसी के तीन वरिष्ठ सहकारी प्रवर्तक भी शामिल थे। ये लोग उत्तराखंड में जनता से जमा राशि एकत्र करने और विभिन्न शाखाओं का संचालन करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। सभी पांच आरोपित वर्तमान में देहरादून की सुधोवाला जेल में न्यायिक हिरासत में हैं।

सीबीआई ने जांच के दौरान आरोपितों द्वारा अपराध से अर्जित धन से खरीदी गई कई अचल संपत्तियों का भी पता लगाया है। इन संपत्तियों का विवरण सक्षम प्राधिकारी, उत्तराखंड सरकार के वित्त सचिव को भेज दिया गया है।

वडोदरा के वरिष्ठ भाजपा विधायक योगेश पटेल का निधन, 8 बार रहे विधायक

एजेंसी, वडोदरा

गुजरात के वडोदरा जिले की मांजलपुर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और विधायक योगेशभाई नारायणदास पटेल का आज मंगलवार को निधन हो गया। वह पिछले एक सप्ताह से एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन थे। वे लंबे समय से हृदय एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। योगेश पटेल के निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

प्रभावशाली जननेता के रूप में थी पहचानः योगेश पटेल वडोदरा की राजनीति में एक मजबूत और प्रभावशाली नेता के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने वर्षों तक रावपुरा और मांजलपुर क्षेत्र की जनता की सेवा की तथा वडोदरा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से गुजरात की राजनीति ने एक अनुभवी और जनप्रिय नेता को खो दिया है। उन्हें 8 बार विधायक बनने का गौरव हासिल था। वे वर्ष 1990 में जनता पार्टी के टिकट पर पहली बार विधायक निर्वाचित हुए। वर्ष 1995 में भाजपा में शामिल हुए। इसके बाद रावपुरा विधानसभा सीट से 5 बार विधायक बने। मांजलपुर विधानसभा सीट से लगातार 3 बार चुनाव जीते। कॉलेज के दिनों में योगेश पटेल ने महंगाई, दूध और खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कई आंदोलन किए। उस समय स्कूलों में बढ़ती फीस और कथित अनियमितताओं के विरोध में उन्होंने विद्यार्थी हितरक्षक समिति का गठन किया और व्यापक आंदोलन चलाया।

मानसून की रफ़्तार तेज, उत्तर और मध्य भारत को जल्द मिलेगी भीषण गर्मी से राहत

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी का प्रकोप झेल रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे मध्य और उत्तर भारत में जल्द ही तापमान में गिरावट आने के आसार हैं। वहीं दिल्ली-एनसीआर में भी बुधवार को तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की बारिश का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की वर्षा होने के आसार हैं। हवाओं की गति 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे रहने की संभावना है। यहां अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37-39 डिग्री सेल्सियस और 26-28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। 4 जून को भी यही स्थिति रहने का अनुमान है। इस दिन 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती है, बाद में हवाओं की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटा हो सकती है। यहां अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37-39 डिग्री सेल्सियस और 27-29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं, 5 जून को सुबह से दोपहर से पहले के समय के बीच तेज हवाएं चलने और गरज के साथ हल्की वर्षा होने का अनुमान है। हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा बढ़कर 60 किमी प्रति घंटा तक चल सकती है। फिर रात में भी हल्की बारिश होने के आसार हैं। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36-38 डिग्री सेल्सियस और 27-29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, अगले 48 घंटों के भीतर यानी 4 जून तक साल दक्षिण-पश्चिम मानसून देश के कई हिस्सों में आगे बढ़ जाएगा। मौसम वैज्ञानिकों ने कई क्षेत्रों में मानसून के सक्रिय होने की संभावना जताई है। इनमें अरब सागर और द्वीप समूह (दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्से, साथ ही लक्षद्वीप द्वीप समूह), दक्षिण भारत (केरल के कुछ और हिस्से और तमिलनाडु के कई इलाके) और बंगाल की खाड़ी (दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के साथ-साथ दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के बचे हुए हिस्से) में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। अगले 6-7 दिनों के दौरान केरल में कुछ जगहों पर 7-20 सेमी भारी वर्षा होने के आसार हैं। इसके अलावा तमिलनाडु तथा कर्नाटक में कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। इस सप्ताह के कई दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत तथा दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर मध्य भारत तक, आसमान में चक्रवाती हवाओं के कई घेरे और कम दबाव की रेखाएं सक्रिय हैं। 3 जून से एक और नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत में दस्तक देगा। देश के अलग-अलग हिस्सों में इस समय चार से पांच चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र बने हुए हैं। इनमें दक्षिण भारत, पूर्वी भारत, मध्य भारत और उत्तर-पश्चिम भारत शामिल है। मौसम को प्रभावित करने वाली दो हवा की कम दबाव वाली लाइन इस समय देश के ऊपर से गुजर रही हैं, जिससे मौसम में अस्थिरता बनी हुई है। इनमें पहली लाइन पूर्वी मध्य प्रदेश से शुरू होकर विदर्भ, तेलंगाना और रायलसीमा के रास्ते उत्तर-पूर्वी तमिलनाडु तक जा रही है। दूसरी लाइन मध्य पाकिस्तान से शुरू होकर उत्तर-पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड होते हुए सीधे पश्चिम बंगाल के तट तक फैली हुई है।

पूर्वोत्तर भारत में अगले 5 दिनों के दौरान, 3-8 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश में, 5-8 जून के दौरान असम और मेघालय तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की से भारी बारिश होने की संभावना है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में कई स्थानों पर अगले 6 दिनों के दौरान हल्की से मध्यम वर्षा और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा का अनुमान है। उत्तर-पश्चिमी भारत में हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 3-6 जून को तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मध्य भारत के अलग-अलग स्थानों पर अगले पांच दिनों के दौरान और पश्चिमी भारत के अलग-अलग शहरों में 3-6 जून को तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। उल्लेखनीय है कि केरल और उसके आसपास के तटीय इलाकों में प्री-मानसून की बारिश पहले ही शुरू हो चुकी है, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान लक्षद्वीप के कुछ स्थानों पर 12-20 सेमी तक, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश और गुजरात क्षेत्र के कुछ स्थानों पर 7-11 सेमी तक भारी वर्षा दर्ज की गई। वहीं, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और गुजरात क्षेत्र के कुछ स्थानों पर 70-95 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली। उत्तराखंड और मराठवाड़ा में हवा की गति 50-70 किमी प्रति घंटा तक ही रही। राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश और मराठवाड़ा के कुछ इलाकों में ओलावृष्टि हुई। पश्चिमी राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में धूल भरी आंधी चली।

भारतीय फर्स्ट नीति की ओर बढ़ते कदम- वैश्विक सख़्ती के बीच भारत का आव्रजन और विदेशी (संशोधन) नियम 2026 अधिसूचित -सुरक्षा निगरानी और प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

लोकतंत्र की शान

» आव्रजन नीति का नया दौर- 1 जून 2026 को राजपत्र अधिसूचना जारी, आव्रजन और विदेशी (संशोधन) नियम, 2026 तत्काल प्रभाव से लागू

» भारत ने आव्रजन प्रबंधन के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत कर दी है, जहां राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए आव्रजन नियंत्रण को शासन की केंद्रीय नीति बनाया गया -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में दुनियाँ एक ऐसे दौर से गुजर रही है,जहां राष्ट्रीय सुरक्षा,सीमा प्रबंधन,जनसांख्यिकीय संतुलन और अवैध प्रवासन (इललीगल इमीग्रेशन) वैश्विक राजनीति के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में शामिल हो चुके हैं। अमेरिका से लेकर यूरोप,ऑस्ट्रेलिया,कनाडा और एशिया के अनेक देशों तक लगभग हर सरकार अपनी आव्रजन नीतियों की पुनर्समीक्षा कर रही है।विशेष रूप से अवैध घुसपैठ, सीमापार अपराध, आतंकवाद,मानव तस्करी और राष्ट्रीय संसाधनों पर बढ़ते दबाव ने देशों को अपनी सीमाओं और विदेशी नागरिकों की निगरानी के संबंध में अधिक सतर्क बना दिया है। अमेरिका में अमेरिका फर्स्ट जैसी नीतियों का उदय इसी वैश्विक प्रवृत्ति का एक उदाहरण है, जहां राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुएआव्रजन नियंत्रण को शासन की केंद्रीय नीति बनाया गया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इसी व्यापक अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के बीच भारत ने भी अपनी आव्रजन व्यवस्था को अधिक आधुनिक,पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दिनांक 1 जून 2026 को देर शाम आव्रजन और विदेशी (संशोधन) नियम, 2026 को अधिसूचित किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा लागू किए गए ये संशोधन केवल प्रक्रियागत परिवर्तन नहीं हैं, बल्कि ये भारत की बदलती सुरक्षा आवश्यकताओं, प्रशासनिक आधुनिकीकरण और वैश्विक मानकों के अनुरूप आव्रजन प्रबंधन की नई सोच को भी प्रतिबिंबित करते हैं।भारत सरकार द्वारा अधिसूचित आव्रजन और विदेशी (संशोधन) नियम, 2026 ऐसे समय में सामने आए हैं जब पूरी दुनिया आव्रजन और सीमा सुरक्षा के प्रश्न पर पुनर्विचार कर रही है। पिछले एक दशक में अवैध प्रवास, सीमा पार आतंकवाद, मानव तस्करी, साइबर अपराध, नकली दस्तावेजों के उपयोग और जनसांख्यिकीय बदलावों ने अनेक देशों को अपनी नीतियों को कठोर बनाने के लिए प्रेरित किया है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दौर से लेकर यूरोप के विभिन्न देशों तक यह धारणा मजबूत हुई है कि किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता और सुरक्षा का पहला आधार उसकी सीमाओं पर प्रभावी नियंत्रण है। यही कारण है कि राष्ट्र पहले की सोच अब केवल राजनीतिक नारा नहीं बल्कि नीति निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बनती जा रही है।यही कारण है कि राष्ट्र पहले की सोच अब केवल राजनीतिक नारा नहीं बल्कि नीति निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बनती जा रही है। साथियों,भारत लंबे समय से दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र, तीव्र आर्थिक विकास वाले राष्ट्र औरअंतरराष्ट्रीय निवेश एवं शिक्षा के प्रमुख केंद्रों में से एक रहा है। हर वर्ष लाखों विदेशी नागरिक व्यापार,शिक्षाचिकित्सा पर्यटन और अन्य उद्देश्यों से भारत आते हैं। ऐसे में विदेशी नागरिकों की उपस्थिति का सटीक रिकॉर्ड,उनके ठहराव की निगरानी और कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करना किसी भी आधुनिक राष्ट्र-राज्य के लिए अत्यंत आवश्यक हो जाता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए गृह मंत्रालय ने 1 जून 2026 को राजपत्र अधिसूचना जारी कर आव्रजन और विदेशी (संशोधन) नियम, 2026 को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया। इन संशोधनों का उद्देश्य एक ओर विदेशी नागरिकों के लिए प्रक्रियाओं को अधिक स्पष्ट और सुव्यवस्थित बनाना है, वहीं दूसरी ओर नियामक निगरानी को मजबूत करना और कानून के अनुपालन को सुनिश्चित करना भी है।संशोधनों में सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन विदेशी नागरिकों के पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) की समयसीमा से जुड़ा है। पहले व्यवस्था यह थी कि यदि कोई विदेशी नागरिक भारत में 180 दिनों से अधिक अवधि तक रहने वाला हो, तो उसे 180 दिनों की अवधि पूरी होने के बाद 14 दिनों के भीतर अपना पंजीकरण कराना होता था। नई व्यवस्था के तहत यह प्रावधान बदल दिया गया है और अब संबंधित विदेशी नागरिक को 180 दिनों की अवधि समाप्त होने से पहले ही किसी भी समय पंजीकरण कराना होगा। पहली दृष्टि में यह परिवर्तन तकनीकी लग सकता है, लेकिन प्रशासनिक दृष्टि से यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे सरकार को विदेशी नागरिकों के संबंध में अग्रिम जानकारी प्राप्त होगी और निगरानी तंत्र अधिक प्रभावी बन सकेगा। साथ ही, अंतिम समय में होने वाली प्रक्रियात्मक जटिलताओं और पंजीकरण में देरी की संभावनाएं भी कम होंगी। साथियों, इस बदलाव का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू विलंबित पंजीकरण के प्रति अपनाया गया कठोर दृष्टिकोण है।पहले जहां कुछ परिस्थितियों में देरी से पंजीकरण कराने की गुंजाइश अपेक्षाकृत अधिक थी, वहीं अब संशोधित नियमों के अनुसार निर्धारित समयसीमा के बाद पंजीकरण केवल असाधारण और आपातकालीन परिस्थितियों में ही स्वीकार किया जाएगा। इसका स्पष्ट संदेश यह है कि भारत अब विदेशी नागरिकों से समयबद्ध अनुपालन की अपेक्षा करता है और नियमों के उल्लंघन के प्रति पहले की तुलना में अधिक सख्त रुख अपनाना चाहता है। वैश्विक स्तर पर देखें तो अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भी वीजा और पंजीकरण नियमों के उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई की व्यवस्था है। भारत का यह कदम सटीक रूप से उसी अंतरराष्ट्रीय प्रवृत्ति के अनुरूप दिखाई देता है। साथियों संशोधित नियमों का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और मानवीय पहलू भारतीय और विदेशी नागरिकता से जुड़े बच्चों के संबंध में किया गया परिवर्तन है। वैश्वीकरण के इस दौर में अंतरराष्ट्रीय विवाह और बहुराष्ट्रीय परिवारों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में अनेक बच्चों की स्थिति ऐसी होती है जहां वे भारतीय नागरिकता के पात्र भी होते हैं और किसी अन्य देश की नागरिकता से भी जुड़े होते हैं। गृह मंत्रालय ने इस जटिलता को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट किया है कि यदि माता-पिता में से कोई एक भारतीय नागरिक है और नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 3 के अंतर्गत बच्चे की भारतीय नागरिकता बनाए रखना चाहता है, तो ऐसे मामलों में सामान्य विदेशी पंजीकरण नियम लागू नहीं होंगे। यह प्रावधान न केवल प्रशासनिक स्पष्टता प्रदान करता है, बल्कि उन परिवारों को अनावश्यक कानूनी जटिलताओं से भी बचाता है जो दो अलग-अलग राष्ट्रीयताओं से जुड़े होते हैं।हालांकि इस छूट के साथ जवाबदेही भी सुनिश्चित की गई है। यदि ऐसा बच्चा बाद में भारत में रहते हुए किसी विदेशी देश की नागरिकता प्राप्त कर लेता है, तो माता-पिता में से किसी एक को 30 दिनों के भीतर पंजीकरण अधिकारी को इसकी सूचना देनी होगी। यह व्यवस्था सरकार को नागरिकता की स्थिति में होने वाले परिवर्तनों की जानकारी समय पर उपलब्ध कराने में सहायक होगी। साथ ही, यह नागरिकता और आव्रजन से संबंधित अभिलेखों की शुद्धता बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथियों, संशोधन नियमों में एक और उल्लेखनीय परिवर्तन रिपोर्टिंग संबंधी प्रावधानों को लेकर किया गया है। नियम 18 में लेकिन चौबीस घंटे से आगे शब्दों को बदलकर लेकिन चौबीस घंटे से आगे नहीं किया गया है। देखने में यह एक छोटा-सा भाषाई परिवर्तन प्रतीत हो सकता है,किंतुविधिक दृष्टि से इसका महत्व अत्यधिक है। कानून में प्रयुक्त एक शब्द भी उसकी व्याख्या को पूरी तरह बदल सकता है। इस संशोधन का उद्देश्य नियमों में मौजूद संभावित अस्पष्टता को समाप्त करना और प्रशासनिक अधिकारियों तथा संबंधित संस्थानों को स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान करना है।अस्पतालों, नर्सिंग होम और अन्य चिकित्सा संस्थानों से संबंधित रिपोर्टिंग आवश्यकताओं को भी अधिक स्पष्ट बनाया गया है। आधुनिक सुरक्षा ढांचे में केवल सीमा चौकियों पर निगरानी पर्याप्त नहीं होती, बल्कि उन संस्थानों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है जहां विदेशी नागरिक ठहरते हैं या सेवाएं प्राप्त करते हैं। इस दृष्टि से चिकित्सा संस्थानों के लिए रिपोर्टिंग नियमों का परिष्करण सरकार की व्यापक निगरानी रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। साथियों, संशोधित नियमों की सबसे प्रगतिशील विशेषताओं में से एक अपील प्रक्रिया का डिजिटलीकरण है। अब यदि किसी मालिक, प्रबंधक या रखवाले को आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम, 2025 के अंतर्गत जारी किसी आदेश से आपत्ति है, तो वह आव्रजन ब्यूरो के आयुक्त के समक्ष 30 दिनों के भीतर ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपील कर सकता है। यह परिवर्तन भारत सरकार के डिजिटल गवर्नेंस मॉडल को मजबूत करता है। ऑनलाइन अपील प्रणाली न केवल पारदर्शिता बढ़ाएगी, बल्कि समय और संसाधनों की बचत भी करेगी। इससे विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समान और सुलभ न्यायिक अवसर प्राप्त होंगे।और भी महत्वपूर्ण यह है कि संशोधित नियमों में अपीलों के निपटारे के लिए समयसीमा निर्धारित की गई है। आयुक्त को सुनवाई का उचित अवसर देने के बाद कारणयुक्त आदेश पारित करना होगा और सामान्यतः 60 दिनों के भीतर अपील प्रक्रिया पूरी करने का प्रयास करना होगा। भारत में प्रशासनिक और न्यायिक प्रक्रियाओं में होने वाली देरी लंबे समय से चिंता का विषय रही है। ऐसे में समयबद्ध निपटारे की यह व्यवस्था प्रशासनिक उत्तरदायित्व और सुशासन की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानी जा सकती है। साथियों, वैश्विक संदर्भ में देखें तो भारत का यह कदम केवल सुरक्षा या नियंत्रण तक सीमित नहीं है। यह प्रशासनिक आधुनिकीकरण, डिजिटल गवर्नेंस, नागरिकता संबंधी स्पष्टता और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करने का भी प्रयास है। आज अधिकांश विकसित राष्ट्र अपनी आव्रजन प्रणालियों को डेटा-आधारित, तकनीक-संचालित और जोखिम- विश्लेषण केंद्रित बना रहे हैं। भारत भी उसी दिशा में आगे बढ़ता दिखाई देता है, जहां विदेशी नागरिकों की उपस्थिति को लेकर अधिक सटीक जानकारी, समयबद्ध अनुपालन और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।हालांकि किसी भी कठोर आव्रजन नीति के साथ यह चुनौती भी जुड़ी होती है कि सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं के बीच संतुलन कैसे बनाए रखा जाए। भारत के लिए भी यह आवश्यक होगा कि नियमों का क्रियान्वयन पारदर्शी, न्यायसंगत और गैर-भेदभावपूर्ण तरीके से हो। विदेशी निवेशकों, छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों के लिए भारत आकर्षण का केंद्र बना रहे, इसके लिए प्रक्रियाओं की स्पष्टता और सुविधा उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी सुरक्षा और निगरानी। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि आव्रजन और विदेशी (संशोधन) नियम,2026 भारत की आव्रजन व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। ये संशोधन दर्शाते हैं कि भारत बदलती वैश्विक परिस्थितियों, राष्ट्रीय सुरक्षा कीआवश्यकताओं और प्रशासनिक दक्षता की मांगों के अनुरूप अपने कानूनी ढांचे को लगातार अद्यतन कर रहा है।पंजीकरण प्रक्रिया में सख्ती,विलंबित अनुपालन पर नियंत्रण, मिश्रित राष्ट्रीयता वाले बच्चों के लिए स्पष्ट प्रावधान, रिपोर्टिंग नियमों में सुधार, डिजिटल अपील प्रणाली और समयबद्ध निर्णय व्यवस्था, ये सभी कदम मिलकर एक ऐसी आव्रजन प्रणाली की नींव रखते हैं जो अधिक संगठित, पारदर्शी और उत्तरदायी हो। आने वाले वर्षों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इन नियमों का व्यावहारिक प्रभाव कितना व्यापक होता है, लेकिन इतना निश्चित है कि भारत ने आव्रजन प्रबंधन के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत कर दी है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

बुढ़ा बच्चा और जवान सभी के लिए साइकिल है मजेदार

लेखक - संजय गोस्वामी

साइकिल एक ऐसा दुपहिया है जिस स्त्री हो या पुरुष बच्चा, जवान या बुढा व्यक्ति सभी चला सकते है। हर साल पुरे विश्व में 3 जून को साइकिल दिवस मनाया जाता है। यूनाइटेड नेशंस इसकी शुरुआत 2018 से की थी। आजकल की साइकिल में आपको लाइट, गियर और मोटे व बड़े टायरो की सुविधा भी मिल जाती है जो इसे पहले की साइकिल से अधिक बेहतर बनाती है। साइकिल मेरा सबसे पसंदीदा वाहन है। यह मुझे दोस्तों से मिलने और पार्क में खेलने के लिए मदद करती है। मेरी साइकिल लाल रंग की है और इसमें तीन गियर हैं, जिससे चलाना आसान होता है।साइकिल चलाना न केवल मजेदार होता है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इससे शरीर मजबूत होता है और हम तंदुरुस्त रहते हैं। मैं रोज सुबह साइकिल चलाकर अपने दिन की शुरुआत करता हूँ।मेरी साइकिल की देखभाल मैं खुद करता हूँ। मैं समय-समय पर उसकी हवा चेक करता हूँ और उसे साफ रखता हूँ। मेरी साइकिल मेरे लिए सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि मेरे बचपन की यादों का हिस्सा भी है। पैडल साइकिल के पायनियर मैन्युफैक्चरर के तौर पर मिचौक्स की भूमिका ओलिवियर भाइयों, रेने और ऐमे के साथ जुड़ी हुई है। 1865 में इन दो अमीर नौजवानों ने पेरिस से मार्सिले तक 800 km (500 मील) से ज़्यादा वेलोसिपेड चलाईं, और नए खेल के लिए उनके बाद के जोश ने इसे युवा, फिट और अमीर लोगों के लिए दुनिया भर में क्रेज़ बनने में मदद की। भाइयों ने मिचौक्स में 69 परसेंट इक्विटी के लिए 50,000 फ़्रैंक दिए, जो बाद में एक बहुत बड़ी फैक्ट्री में चला गया। पहले मॉडल में सर्पिन के आकार का लचीला लोहे का फ्रेम था। इसके तुरंत बाद फर्म ने रॉट आयरन से बने डायगोनल फ्रेम पर स्विच किया, जो जल्द ही इंडस्ट्री का स्टैंडर्ड बन गया। पेरिस एक्सपोज़िशन के साल 1867 में सीरियस प्रोडक्शन शुरू हुआ। कई विज़िटर्स ने सड़कों पर वेलोसिपेड देखे; पॉपुलैरिटी फैली; और बनाने वालों की संख्या कई गुना बढ़ गई। 1868 की पतझड़ तक, नया वेलोसिपेड पूरे फ्रांस में एक जाना-पहचाना नज़ारा बन गया था, और काफ़ी ज़्यादा कीमतों के बावजूद बिक्री नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई। 1869 में ओलिवियर्स ने मिचौक्स एट सी का पूरा कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया और नाम बदलकर कॉम्पैनी पेरिसिएन डेस वेलोसिपेड्स कर दिया। प्रोडक्शन हर महीने लगभग 200 वेलोसिपेड तक पहुंच गया। उस समय तक 100 से ज़्यादा फ्रेंच कंपनियां वेलोसिपेड बना रही थीं। 1869 में बॉल बेयरिंग और टेंशन-स्पोक वाले पहियों का आविष्कार हुआ, और फ्रीव्हील (जो कोस्टिंग की इजाज़त देता है) का पेटेंट कराया गया। लकड़ी के स्पोक वाले पहियों और लोहे के रिम की हार्ड राइड की वजह से शुरुआती वेलोसिपेड को "बोनशेकर" का नाम मिला, लेकिन ठोस रबर के टायर और तार के स्पोक वाले पहियों ने राइड को आसान बनाने में मदद की। 1870 में, जैसे ही बोनशेकर "ऑर्डिनरी" नाम की एक प्रैक्टिकल साइकिल बन रही थी, फ्रैंको-जर्मन युद्ध ने फ्रेंच इंडस्ट्री को पीछे धकेल दिया। साइकिल मैन्युफैक्चरिंग बच गई, लेकिन इसके बाद के ज़्यादातर डेवलपमेंट ब्रिटेन में हुए। पिछले पहिये को बहुत छोटे फार्थिंग (क्वार्टर-पेनी) से जोड़ा जाता था। ऑर्डिनरी का वज़न आम तौर पर लगभग 40 पाउंड (18 kg) होता था, लेकिन ट्रैक-रेसिंग मॉडल का वज़न 16 पाउंड (7 kg) जितना कम हो सकता था। शुरुआती सुरक्षा साइकिलों में ठोस रबर के टायर होते थे। 1888 में बेलफ़ास्ट में रहने वाले स्कॉटिश जानवरों के डॉक्टर जॉन बॉयड डनलप ने न्यूमेटिक टायर इंट्रोड्यूस किए। इनसे रोलिंग रेज़िस्टेंस बहुत कम होने के साथ ज़्यादा आरामदायक राइड मिलती थी।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की नई श्रृंखला

लेखक -विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला

भारत आज विश्व अर्थव्यवस्था के उस मुकाम पर खड़ा है जहाँ उसकी विकास यात्रा को केवल आंकड़ों से नहीं,बल्कि उन आंकड़ों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी परखा जा रहा है।एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर भारत के लिए यह आवश्यक है कि उसकी आर्थिक प्रगति को मापने वाले सभी प्रमुख संकेतक समयानुकूल,वैज्ञानिक और यथार्थपरक हों।इसी सोच के अनुरूप सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी)की नई श्रृंखला जारी की गई है, जिसका आधार वर्ष 2022-23 निर्धारित किया गया है। यह परिवर्तन केवल एक तकनीकी या सांख्यिकीय प्रक्रिया नहीं है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के बदलते स्वरूप को समझने और उसे दुनिया के सामने अधिक सटीक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास भी है। नई श्रृंखला भारत के औद्योगिक क्षेत्र में आए व्यापक परिवर्तनों,नई उत्पादन गतिविधियों, तकनीकी नवाचारों और उभरते क्षेत्रों को प्रतिबिंबित करती है।भारत की आर्थिक गतिविधियों में उद्योग क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।कृषि,सेवा और उद्योग—इन तीनों स्तंभों में उद्योग ऐसा क्षेत्र है जो उत्पादन,रोजगार, निर्यात,निवेश और तकनीकी विकास को गति देता है।किसी भी देश की औद्योगिक सेहत को समझने के लिए औद्योगिक उत्पादन सूचकांक को सबसे महत्वपूर्ण संकेतकों में गिना जाता है।यही कारण है कि नीति-निर्माता,अर्थशास्त्री,उद्योग जगत, वित्तीय संस्थान और निवेशक आईआईपी के आंकड़ों पर विशेष ध्यान देते हैं।औद्योगिक उत्पादन सूचकांक देश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन के स्तर में होने वाले परिवर्तन को मापता है। इसके माध्यम से यह पता चलता है कि उद्योगों की उत्पादन क्षमता किस दिशा में बढ़ रही है, किन क्षेत्रों में तेजी है और कहाँ सुधार की आवश्यकता है।समय के साथ अर्थव्यवस्था बदलती है,उत्पादन के स्वरूप बदलते हैं और नई तकनीकें पुराने उत्पादों का स्थान लेती हैं। ऐसे में सूचकांक की आधार संरचना को भी अद्यतन करना आवश्यक हो जाता है।भारत में आईआईपी की आधार वर्ष श्रृंखला समय-समय पर संशोधित की जाती रही है।इसका उद्देश्य यही रहा है कि देश की वास्तविक आर्थिक परिस्थितियों को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित किया जा सके।वर्ष 2011-12 पर आधारित पुरानी श्रृंखला अपने समय के अनुरूप थी, लेकिन पिछले एक दशक में भारत की औद्योगिक संरचना में व्यापक बदलाव आए हैं। आज का भारत मोबाइल फोन निर्माण,इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन, अक्षय ऊर्जा, रक्षा विनिर्माण, चिकित्सा उपकरण निर्माण, ड्रोन तकनीक, डिजिटल अवसंरचना और उच्च तकनीकी उत्पादन के क्षेत्र में नई पहचान बना चुका है। इन परिवर्तनों को पुराने आधार वर्ष के माध्यम से पूरी तरह अभिव्यक्त करना संभव नहीं था।नई श्रृंखला इसी आवश्यकता का परिणाम है। आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित यह सूचकांक देश की वर्तमान औद्योगिक वास्तविकताओं के अधिक निकट है। इसमें उन क्षेत्रों को समुचित स्थान दिया गया है जो आज भारत की औद्योगिक प्रगति के प्रमुख वाहक बन चुके हैं।यह नई व्यवस्था न केवल उत्पादन संरचना को अद्यतन करती है, बल्कि आर्थिक विश्लेषण को भी अधिक सटीक बनाती है।नई श्रृंखला की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि इसमें अनेक नए उत्पाद समूहों को शामिल किया गया है। बदलती औद्योगिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन उत्पादों को स्थान दिया गया है जो आज की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, आधुनिक चिकित्सा उपकरण, वैक्सीन,लिथियम- आयन बैटरियां,सीसीटीवी कैमरे, स्मार्ट कार्ड उत्पाद तथा विमानन एवं अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े उपकरण आज भारत की औद्योगिक पहचान का हिस्सा बन चुके हैं। इनका समावेश इस बात का संकेत है कि भारतीय उद्योग पारंपरिक उत्पादन से आगे बढ़कर तकनीक-आधारित और नवाचार-संचालित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है।इसके साथ ही कई ऐसे उत्पादों और गतिविधियों को बाहर किया गया है जिनका आर्थिक महत्व समय के साथ कम हो चुका है।यह परिवर्तन किसी भी सांख्यिकीय प्रणाली के लिए आवश्यक होता है क्योंकि अर्थव्यवस्था की वास्तविक तस्वीर तभी सामने आती है जब उसमें वर्तमान उत्पादन संरचना को उचित महत्व दिया जाए।नई श्रृंखला का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष इसका विस्तृत औद्योगिक दायरा है।पहले जिन गतिविधियों को सीमित महत्व प्राप्त था,उन्हें अब अधिक व्यवस्थित रूप से सम्मिलित किया गया है।जल आपूर्ति,गैस आपूर्ति, अपशिष्ट प्रबंधन तथा अन्य आधुनिक उपयोगिता सेवाओं को भी औद्योगिक गतिविधियों के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा गया है। इससे औद्योगिक उत्पादन का आकलन अधिक व्यापक और वास्तविक होगा।भारत की ऊर्जा संरचना में भी पिछले वर्षों में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं।सौर ऊर्जा,पवन ऊर्जा और अन्य अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों का विस्तार अभूतपूर्व गति से हुआ है।देश ने हरित ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है।नई आईआईपी श्रृंखला में ऊर्जा क्षेत्र के वर्गीकरण को अधिक वैज्ञानिक और समसामयिक बनाया गया है।इससे पारंपरिक ऊर्जा और अक्षय ऊर्जा दोनों की प्रगति का अधिक स्पष्ट आकलन संभव होगा। खनन क्षेत्र भी भारतीय औद्योगिक विकास का एक महत्वपूर्ण आधार है।आधुनिक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप खनिज संसाधनों का महत्व लगातार बढ़ रहा है।विशेष रूप से दुर्लभ खनिज और रणनीतिक खनिज भविष्य की तकनीकों के लिए अत्यंत आवश्यक माने जा रहे हैं। नई श्रृंखला में खनन गतिविधियों को अधिक विस्तृत दृष्टिकोण से शामिल किया गया है,जिससे इस क्षेत्र के योगदान का बेहतर विश्लेषण किया जा सकेगा।नई आईआईपी श्रृंखला का महत्व केवल सांख्यिकीय सुधार तक सीमित नहीं है।इसका सीधा संबंध सरकार की विकास नीतियों और औद्योगिक रणनीतियों से भी है। जब किसी देश के पास अधिक सटीक और अद्यतन आंकड़े उपलब्ध होते हैं, तब नीतियों का निर्माण भी अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।उद्योगों की वास्तविक स्थिति,क्षेत्रवार विकास और उत्पादन क्षमता का आकलन बेहतर होने से संसाधनों का उपयोग अधिक कुशलता से किया जा सकेगा।वर्तमान समय में भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़े कदम उठा रहा है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं, विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम,रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को प्रोत्साहन तथा निर्यात वृद्धि की रणनीतियां इसी दिशा में किए जा रहे प्रयास हैं।इन योजनाओं की सफलता का सही मूल्यांकन तभी संभव है जब औद्योगिक आंकड़े भी वास्तविक परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करें। नई आईआईपी श्रृंखला इस आवश्यकता को पूरा करती है।विश्व अर्थव्यवस्था में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच निवेशकों का विश्वास भी सटीक आंकड़ों पर आधारित होता है।घरेलू और विदेशी निवेशक किसी देश में निवेश से पहले उसकी औद्योगिक स्थिति, उत्पादन क्षमता और विकास संभावनाओं का अध्ययन करते हैं।नई श्रृंखला भारतीय अर्थव्यवस्था की औद्योगिक तस्वीर को अधिक स्पष्ट और विश्वसनीय रूप में प्रस्तुत करेगी,जिससे निवेशकों का विश्वास और मजबूत होगा।

स्वस्थ जीवन एवं स्वस्थ पर्यावरण का आधार है साइकिल

लेखक- ललित गर्ग

हर वर्ष 3 जून को मनाया जाने वाला विश्व साइकिल दिवस केवल एक साधारण वाहन के सम्मान का अवसर नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समानता और सतत विकास के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, बढ़ती बीमारियों और यातायात संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब साइकिल एक ऐसे सरल समाधान के रूप में उभरती है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र-तीनों के लिए समान रूप से लाभकारी है। विश्व साइकिल दिवस 2026 की थीम 'हरियाली भरे भविष्य के लिए साइकिल चलाना' अत्यंत सार्थक और समयानुकूल है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि यदि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी छोड़नी है, तो हमें अपने परिवहन के तौर-तरीकों में बदलाव लाना होगा और साइकिल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। साइकिल मानव सभ्यता के उन आविष्कारों में से एक है जिसने दो शताब्दियों से अधिक समय तक अपनी उपयोगिता बनाए रखी है। तकनीकी क्रांति के इस युग में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है, बल्कि नई चुनौतियों के बीच इसका महत्व और बढ़ गया है। यह एक ऐसा वाहन है जो बिना पेट्रोल, डीजल या बिजली के चलता है, न कोई धुआँ छोड़ता है और न ही पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2018 में इसे वैश्विक स्तर पर मान्यता देते हुए विश्व साइकिल दिवस घोषित किया। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएँ तो बहुत दी हैं, लेकिन इसके साथ अनेक स्वास्थ्य समस्याएँ भी पैदा कर दी हैं। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, शारीरिक श्रम का अभाव, वाहन-निर्भरता और तनावपूर्ण जीवन ने मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग तथा मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं को बढ़ा दिया है। ऐसे समय में साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि एक प्रभावी स्वास्थ्य-सहचर बनकर सामने आती है। चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम है। इससे हृदय मजबूत होता है, रक्त संचार बेहतर होता है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और शरीर की अतिरिक्त कैलोरी खर्च होती है। साइकिल चलाने से मांसपेशियाँ सुदृढ़ होती हैं तथा जोड़ों पर अत्यधिक दबाव भी नहीं पड़ता, इसलिए यह सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयुक्त व्यायाम माना जाता है। विशेष रूप से मधुमेह, मोटापा और हृदय रोगों से बचाव में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी साइकिल अत्यंत लाभकारी है। आज तनाव, चिंता और अवसाद वैश्विक समस्याएँ बन चुके हैं। खुली हवा में साइकिल चलाने से मन प्रसन्न होता है, तनाव हार्मोन कम होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यक्ति को प्रकृति के निकट लाती है तथा जीवन में संतुलन और आनंद की अनुभूति कराती है। वास्तव में साइकिल चलाना शरीर और मन दोनों का एक साथ व्यायाम है। पर्यावरणीय दृष्टि से साइकिल का महत्व और भी अधिक है। विश्व के बड़े शहर बढ़ते प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से त्रस्त हैं। मोटर वाहनों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण है, जो न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। साइकिल शून्य-उत्सर्जन वाला वाहन है। यदि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए लोग मोटरसाइकिल और कार के स्थान पर साइकिल का उपयोग करें, तो कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। यह जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किया जाने वाला सबसे सरल और प्रभावी प्रयास है। सामाजिक दृष्टि से भी साइकिल समानता और समावेशिता का प्रतीक है। यह अमीर और गरीब, दोनों के लिए समान रूप से उपयोगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लाखों लोग शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने के लिए साइकिल पर निर्भर हैं।

2027 में पहला मैच नहीं खेल पाएंगे टिम डेविड

फाइनल में अंपायर नितिन मेनन की ओर फेंका था आईस बैग

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाड़ी टिम डेविड पर रविवार (31 मई) को गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उन्हें दो डिमेरिट अंक भी मिले। डेविड पर जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि उन्होंने पहली पारी के 10वें ओवर के दौरान अंपायर नितिन मेनन की तरफ गुस्से में आइस बैग फेंका था। आईपीएल ने कहा, 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज टिम डेविड पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और आईपीएल आचार संहित के लेवल 1 को तोड़ने के लिए दो डिमेरिट अंक भी दिए गए हैं। डेविड को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.9 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो मैच के दौरान किसी खिलाड़ी, टीम ऑफिशियल, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति पर या उसके पास गलत या खतरनाक तरीके से गेंद या कोई दूसरा सामान जैसे पानी की बोतलफेंकने से जुड़ा है।' **डेविड दो बार और कर चुके हैं लेवल 1 का उल्लंघन**– डेविड के आईपीएल 2026 में पांच डिमेरिट अंक हो गए। इसके कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग 2027 के पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। डेविड ने इस सीजन तीसरी बार लेवल 1 का उल्लंघन किया। उन्होंने पहली बार मैच 20 (एक डिमेरिट अंक) में और दूसरी बार मैच 54 (दो डिमेरिट अंक) में लेवल 1 का उल्लंघन किया था।

44 की उम्र में वापसी को तैयार सेरेना

● चार वर्ष तक खेल से रहीं दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की दिग्गज सेरेना विलियम्स लगभग चार वर्ष तक खेल से दूर रहने के बाद 44 साल की उम्र में आगामी क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट से पेशेवर टेनिस में वापसी करेंगी। 23 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन सेरेना इस ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में युगल वर्ग के जरिए प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगी। डब्ल्यूटीए ने सोमवार को घोषणा की कि सेरेना ने टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है। क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट अगले सोमवार (8 जून) से शुरू होगा। हालांकि सेरेना के युगल जोड़ीदार के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। सेरेना ने पिछली बार 2022 यूएस ओपन में प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेला था। उस समय उन्होंने टेनिस को अलविदा कहने की बात तो की थी, लेकिन 'संन्यास' शब्द का इस्तेमाल करने से बचते हुए कहा था कि वह टेनिस से आगे बढ़ रही हैं। सेरेना 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों के अलावा 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीत चुकी हैं।

सेरेना विंबलडन में भी खेल सकती हैं

सेरेना ने फरवरी में प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी के लिए पात्रता हासिल की थी। इसके लिए उन्होंने छह महीने पहले अनिवार्य डोपिंग रोधी कार्यक्रम में दोबारा पंजीकरण कराया था, जो वापसी की दिशा में पहला कदम माना जाता है। ग्रास कोर्ट पर वापसी के बाद यह अटकलें भी तेज हो गई हैं कि सेरेना विंबलडन में भी खेल सकती हैं, जिसकी शुरुआत 28 जून से होगी। वह विंबलडन में सात बार एकल खिताब जीत चुकी हैं। **बेटी के साथ हार्ड कोर्ट पर अभ्यास करते हुए एक वीडियो शेयर किया था**– सेरेना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी के साथ हार्ड कोर्ट पर अभ्यास करते हुए एक वीडियो साझा किया था। उनकी दूसरी बेटी का जन्म 2023 में हुआ था। दिलचस्प बात यह है कि पिछले वर्ष जब उनके डोपिंग परीक्षण पूल में शामिल होने की खबर सामने आई थी, तब उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'मैं वापसी नहीं कर रही हूं, यह अफवाह काफी बढ़ गई है।'

डब्ल्यूटीए ने सोमवार को घोषणा कर कहा सेरेना ने टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है।

फ्रेंच ओपन 2026

माटेओ अर्नाल्डी ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

● कड़े मुकाबले में टियाफो को दी मात

पेरिस। माटेओ अर्नाल्डी ने फ्रेंच ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। पांच सेट तक चले मुकाबले में अर्नाल्डी ने फ्रांसिस टियाफो को हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया। 25 साल वर्षीय खिलाड़ी ने मंगलवार को 19वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी को 7-6(5), 6-7(5), 3-6, 7-6(3), 6-4 से हराया। यह रोमांचक मुकाबला पांच घंटे 26 मिनट तक चला। इटली के खिलाड़ी ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में कुल 17 घंटे 42 मिनट का समय लगाया है। यह 1991 से अब तक के रिकॉर्ड के अनुसार किसी भी ग्रैंड स्लैम में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने का सबसे लंबा समय है।

यह पिछले रिकॉर्ड से लगभग 1 घंटा 58 मिनट ज्यादा है। दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में बराबरी की, लेकिन इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी टियाफो ने बेहतरीन खेल खेलते हुए अपनी क्षमता दिखाई। उन्होंने चौथे सेट में 4-1 की बढ़त बना ली और ऐसा लग रहा था कि वह लगातार दूसरे साल फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच जाएंगे। टाईब्रेक में 25 साल के टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाया और कई तेज और रोमांचक रैलियों में बढ़त बनाई। हालांकि, अर्नाल्डी ने भी शानदार वापसी की, उन्होंने हवा में कूदकर एक जोरदार बैकहैंड मारा और कुछ ही देर बाद निर्णायक अंक जीत लिया।

इस समय अर्नाल्डी पूरी तरह लय में थे और अपने शानदार ग्राउंडस्ट्रोक्स की मदद से उन्होंने 4-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, टियाफो ने हार नहीं मानी और एक दमदार फोरहैंड लगाकर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। रोमांचक मुकाबले के दौरान एक ही रैली में टियाफो दो बार गिर भी पड़े। इसके बाद अर्नाल्डी ने फिर से अपना नियंत्रण वापस पाया और आखिर में अपने तीसरे मैच पॉइंट को जीत में बदलकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सबालेंका ने बनाई चौथे राउंड में जगह

रोमांचक मैच में ओसाका को हराया

पेरिस। एरिना सबालेंका ने रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन 2026) में चौथे राउंड के रोमांचक मैच में नाओमी ओसाका को 7-5, 6-3 से हराकर लगातार 14वें ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। महिला ड्रॉ में सबालेंका अकेली ऐसी खिलाड़ी बची हैं जिन्होंने मेजर फाइनल खेला है। सबालेंका का अब सामना 25वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डायना श्नाइडर से होगा, जिन्होंने 19वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को तीन सेट में हराकर अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। ओसाका ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीत लिए। दूसरी ओर, सबालेंका शुरू से ही संघर्ष करती नजर आईं। उन्होंने पांच ऐसी गलतियां कीं जो बिना दबाव के हुईं, जिनमें एक डबल फॉल्ट भी शामिल था। यह डबल फॉल्ट ब्रेक पॉइंट पर हुआ, जिससे ओसाका को शुरुआती बढ़त बनाने में मदद मिली।

शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका ने खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने दो शानदार फोरहैंड विनर लगाए और तुरंत ब्रेक की भरपाई कर ली। इसके बाद उन्होंने पूरे मैच में अपनी सर्विस मजबूत रखी। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, मैच के बाकी हिस्से में उन्हें एक भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उनके सर्विस गेम शायद ही कभी ड्यूस तक पहुंचे।

व्यापार

महीने में दो बार सैलरी दीजिए', अनुपम मित्तल ने अपील करके मचा दी सनसनी

नई दिल्ली, एजेंसी। शादी डॉट कॉम के संस्थापक अनुपम मित्तल ने सनसनी मचा दी है। उन्होंने कंपनियों से बड़ी अपील कर दी है। अपील यह है कि वे इस बात पर फिर से सोचें कि कर्मचारियों को सैलरी कैसे और कब दी जाए। उनका तर्क है कि सैलरी आदर्श रूप से महीने में दो बार दी जानी चाहिए। न कि उस 'ब्रिटिश-जमाने' के सिस्टम को फॉलो करते हुए जिसमें सैलरी अगले महीने दी जाती है। मित्तल ने सोमवार को लिंक्डइन पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा कि कई कंपनियां खुद को कर्मचारी-केंद्रित दिखाने के लिए ज्यादा छुट्टियां, मुफ्त खाना और रिमोट वर्क जैसे फायदों को बढ़ावा देती हैं। लेकिन, अक्सर कर्मचारियों के लिए सबसे जरूरी मुद्दों में से एक को नजरअंदाज़ कर देती हैं। वह है - समय पर सैलरी का पेमेंट। उन्होंने लिखा, 'ज्यादातर कंपनियां 7 तारीख को सैलरी देती हैं। कुछ 1 तारीख को देती हैं सिवाय तब जब उस दिन वीकेंड हो, जिसका मतलब है कि सैलरी 2, 3 या 4 तारीख को मिलेगी।' उन्होंने कहा, 'कुछ साल पहले हमने कंपनी में फैसला किया कि सैलरी मौजूदा महीने के आखिर में ही दी जानी चाहिए, न कि अगले महीने। यह कोई 'पर्क' (अतिरिक्त सुविधा) नहीं है, बल्कि यह तो 'कॉमन सेंस' (सामान्य समझ) की बात है।' मित्तल के अनुसार, सैलरी मिलने में देरी का कर्मचारियों के रोजमर्रा के खर्चों पर काफी असर पड़ सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'कारण है कि कुछ लोगों के लिए एक हफ्ते की देरी शायद सिर्फ एक 'अकाउंटिंग डिटेल' (हिसाब-किताब की छोटी-मोटी बात) हो सकती है। लेकिन, ज्यादातर लोगों के लिए इसका मतलब हो सकता है - श्वस्छू का बाउंस होना, किराए का जुगाड़ करने की हड़बड़ी, किसी को फोन करके पैसे मांगने की शर्मिंदगी या फिर किसी ऐसी समस्या को ठीक करने में आधा दिन बर्बाद करना जो असल में कभी पैदा ही नहीं होनी चाहिए थी।'उन्होंने तर्क दिया कि सैलरी का समय पर और आसानी से मिलना कर्मचारियों की आर्थिक स्थिरता को बेहतर बनाता है। उन्होंने आगे कहा, 'कैश फ्लो ही असल 'गरिमा' है।' मित्तल ने एक कदम और आगे बढ़ते हुए सुझाव दिया कि कंपनियों को कर्मचारियों को महीने में दो बार सैलरी देने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'असल में मेरा मानना है कि कंपनियों को महीने में दो बार - 15 तारीख और 30 तारीख को सैलरी देनी चाहिए। हां, पेरोल टीम के लोग शायद थोड़ी-बहुत शिकायत करेंगे। लेकिन, 2026 के इस दौर में जब हमारे पास इतनी बेहतरीन टेक्नोलॉजी मौजूद है तो यह कोई 'रॉकेट साइंस' (बहुत मुश्किल काम) नहीं है।'

8वें वेतन आयोग ने केंद्रीय कर्मचारियों को दी राहत, 15 जून तक जमा कर सकेंगे मेमोरेंडम

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर केंद्रीय कर्मचारी हैं तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, 8वें केंद्रीय वेतन आयोग ने सुझाव और मांगपत्र (मेमोरेंडम) जमा करने की अंतिम तिथि एक बार फिर बढ़ा दी है। वेतन आयोग के इस फैसले का असर देश के करीब 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनर्स पर पड़ेगा, जिनमें रक्षा कर्मी और सेवानिवृत्त रक्षा कर्मचारी भी शामिल हैं।

क्या है नई समयसीमा: आठवें वेतन आयोग ने अब यह समयसीमा 15 जून 2026 तक कर दी है। इससे पहले अंतिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित की गई थी। बता दें कि यह दूसरी बार है जब वेतन आयोग ने मेमोरेंडम जमा करने की समयसीमा बढ़ाई है। इससे पहले 30 अप्रैल की समयसीमा थी।

दरअसल, वेतन आयोग ने इसी साल फरवरी महीने में एक वेबसाइट को लॉन्च किया था। इस वेबसाइट के जरिए वेतन आयोग ने केंद्रीय कर्मचारियों और कर्मचारी संगठन समेत अन्य हितधारकों से सुझाव मांगे थे। सुझाव भेजने के लिए वेबसाइट पर कर्मचारियों, पेंशनर्स, यूनियनों और सरकारी विभागों को पहले अपनी श्रेणी का चयन करना होगा, फिर मोबाइल नंबर या ई-मेल के जरिए सत्यापन कर ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा। फॉर्म में वेतन संशोधन, फिटमेंट फैक्टर, भत्ते, पेंशन ढांचे और पे मैट्रिक्स से जुड़े सुझाव दर्ज किए जा सकते हैं। इसके अगले स्टेप में यूनिक मेमो आईडी जारी की जाएगी, जिसके आधार पर आवेदन की ट्रैकिंग और आयोग से बैठक के लिए अनुरोध किया जा सकेगा। बता दें कि सभी मेमोरेंडम केवल वेतन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने होंगे। केंद्र सरकार ने पिछले साल जनवरी में आठवें वेतन आयोग के गठन का ऐलान किया था लेकिन यह नवंबर 2025 में अमल में आया। पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाले 8वें वेतन आयोग ने इस साल अपना कामकाज शुरू किया है। आयोग में पूर्व आईएएस अधिकारी पंकज जैन, सदस्य-सचिव और प्रोफेसर पुलक घोष सदस्य के रूप में शामिल हैं। आइए जान लेते हैं कि आठवें वेतन आयोग की जून और जुलाई में कब-कब बैठक होने वाली है। जम्मू और कश्मीरः श्रीनगर में बैठक 1-4 जून (सोमवार-गुरुवार) तक निर्धारित है और हितधारकों के पास अपॉइंटमेंट लेने के लिए 16 मई तक का समय था। लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में संबंधित हितधारकों के साथ बैठक 8 जून (सोमवार) को निर्धारित है और उनके पास अपॉइंटमेंट लेने के लिए 16 मई तक का समय था।

ठेलेवाला कितना कमाता होगा ये न सोचना, 5 लाख के लोन से आज 3 करोड़ का बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। किस्मत चमकते देर नहीं लगती। बस, आप अपना काम ईमानदारी से करते रहिए। ऐसा ही कुछ अब्दुल रईस के साथ हुआ है। वह मध्य प्रदेश के बुरहानपुर के रहने वाले हैं। एक समय था जब उन्हें ठेले पर फल बेचने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। लेकिन, 5 लाख रुपये के लोन और कड़ी मेहनत ने सबकुछ बदल दिया। आज अब्दुल रईस ने 3 करोड़ सालाना के टर्नओवर वाला बिजनेस खड़ा कर दिया है। अपनी मुश्किलों को उन्होंने कामयाबी का किस्सा बनाया है। आइए, यहां अब्दुल रईस की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

विपरीत परिस्थितियों में भी टिके रहने की हिम्मत किसी की भी जिंदगी बदल सकती है। अब्दुल रईस ने करीब 30 साल पहले अपना सफर शुरू किया था। उस समय वह बेहद मुश्किल हालात में एक साधारण से ठेले पर फल बेचा करते थे। चुनौतियां इम्तिहान लेती रहीं। खासकर बारिश के मौसम में। तब बिजनेस पूरी तरह से ठप हो जाता था। इन रुकावटों के बावजूद उन्होंने अपने सफर में आगे बढ़ने का फैसला किया। आखिरकार उन्हें कामयाबी मिल ही गई। अपने रिश्तेदारों और परिवार की मदद से रईस ने करीब 5 लाख रुपये का लोन लेकर अपना बिजनेस दोबारा शुरू किया। यह उनकी जिंदगी का बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

धीरे-धीरे उनकी मेहनत और लगन रंग लाने लगी। उनका छोटा सा बिजनेस बड़ा होने लगा। समय के साथ रईस ने अपने छोटे से ठेले वाले बिजनेस को बहुत बड़े और सफल फलों के बिजनेस में बदल दिया। अब्दुल रईस का बिजनेस अब 'नीलम फ्रूट' के नाम से जाना जाता है। बुरहानपुर में यह एक जाना-माना नाम बन चुका है। ग्राहक दूर-दूर से उनकी दुकान पर फल खरीदने आते हैं। उनकी दुकान ने अपनी अच्छी क्वालिटी और भरोसे के दम पर खास पहचान बनाई है।

तेजी से फल-फूल रहा कारोबार

हर दिन फलों से लदी करीब 2-3 गाड़ियां उनकी दुकान पर पहुंचती हैं। रिटेल ग्राहकों के अलावा, कई छोटे व्यापारी भी उनसे फल खरीदते हैं। उन्हें स्थानीय बाजारों में बेचते हैं। इससे उनके व्यवसाय का विस्तार और भी बढ़ जाता है। जो काम एक साधारण ठेले के व्यवसाय के रूप में शुरू हुआ था, वह अब फलता-फूलता उद्यम बन गया है। अब्दुल रईस की यह यात्रा इस बात की मिसाल है कि लगन, साहस और निरंतर प्रयास से कठिन से कठिन चुनौतियों पर भी विजय पाई जा सकती है।

अब 3 करोड़ का सालाना टर्नओवर

न्यूज18 की रिपोर्ट के अनुसार, आज अब्दुल रईस का सालाना टर्नओवर करीब 3 करोड़ रुपये है। उन्होंने लगभग 15 लोगों को रोजगार दिया हुआ है। जो सफर कभी सिर्फ गुजारा करने के संघर्ष के तौर पर शुरू हुआ था, आज वह कई और लोगों की रोजी-रोटी का जरिया बन चुका है। रईस ने फलों की सप्लाई का बहुत बड़ा नेटवर्क खड़ा किया है। इसके तहत वह भारत के करीब 10 राज्यों से फल मंगवाते हैं। न सिर्फ वह फलों की खरीद-फरोख्त का काम संभालते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593 RNI No.: DELHIN/2008/23928
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)